MUMBAI TARANG TM

www.mumbaitarang.com

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

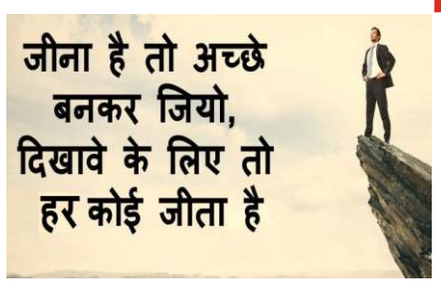

मुंबई तरंग

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल | उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-18 ❖ मुंबई ❖ रविवार 25 अप्रैल से 01 मई 2021 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3
बम धमाके के आरोपी की हत्या मामले में छोटा राजन बरी, 2001 में हुआ था कादावाला का मर्डर

पेज 5
राज्यों से बोला केंद्र- ऑक्सीजन टैंकर को एंबुलेंस समझें, आवागमन के लिए कॉरिडोर बनाएं

पेज 7
18 वर्षीय त्रिशान शेट्टी 'मार्शल आर्ट' के क्षेत्र का नया सितारा

पेज 8
कोरोना की तबाही के बीच उद्धव सरकार का ऐलान, महाराष्ट्र की जनता को मुफ्त में लगेगी वैक्सीन

शिवसेना ने SC पर उठाए सवाल- 'चुनावी रैलियों और कुंभ मेले पर रोक लगाते तो इतने खराब न होते कोरोना से हालात'

मुंबई, पश्चिम बंगाल चुनाव और कुंभ मेले के बहाने शिवसेना ने सुप्रीम कोर्ट पर सवाल उठाए हैं। शिवसेना ने शनिवार को कहा कि यदि सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में चुनावी रैलियों और हरिद्वार कुंभ मेले के आयोजन का समय पर संज्ञान लिया होता, तो देश में कोरोना वायरस से हालात इतने खराब नहीं हुए होते। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से महामारी के बीच ऑक्सिजन सप्लाई और टीकाकरण संबंधी राष्ट्रीय योजना के बारे में जानकारी मांगी है, जिसके बाद पार्टी ने यह बयान दिया है।

शिवसेना ने अपने मुखपत्र 'सामना' में कहा, 'यह अच्छी बात है कि सुप्रीम कोर्ट ने हस्तक्षेप किया है। यदि प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और अन्य नेताओं की पश्चिम बंगाल में चुनावी रैलियों और हरिद्वार में धार्मिक सभाओं को लेकर भी समय पर हस्तक्षेप किया गया होता, तो लोगों के इस तरह तड़पकर मरने की नौबत नहीं आई होती।' दिल्ली के एक अस्पताल में ऑक्सिजन के अभाव के कारण कोविड-19 के 25 मरीजों की मौत होने का जिक्र करते हुए पार्टी ने सवाल किया कि यदि केंद्र इसके लिए जिम्मेदार नहीं है, तो फिर इसके लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। पार्टी ने कहा, 'यह राष्ट्रीय राजधानी के हालात हैं। यदि केंद्र सरकार इसके लिए जिम्मेदार नहीं है, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है?'

'हर तरफ दिख रहे श्मशान और कब्रिस्तान' शिवसेना ने ब्रिटेन के एक प्रमुख समाचार पत्र के उस शीर्षक का जिक्र किया, जिसमें कहा गया है कि 'भारत कोविड-19 का नरक बन गया है'। शिवसेना ने कहा कि यदि केंद्र ने पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों के बजाए कोविड-19 की दूसरी लहर से निपटने पर ध्यान केंद्रित किया होता, तो हालात खराब नहीं होते। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले दल ने भंडारा, मुंबई, विरार और नासिक के अस्पतालों में हुई त्रासदियों में लोगों की मौत होने पर शोक व्यक्त किया। पार्टी ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके सहकर्मी भारत को स्वर्ग बनाना चाहते थे, लेकिन हमें आज केवल श्मशान और कब्रिस्तान ही दिख रहे हैं। कहीं सामुदायिक चिताएं जल रही हैं और कहीं अस्पताल मरीजों के साथ स्वयं जल रहे हैं। क्या यही नरक है?'

'उद्धव मुंबई में लड़ रहे लड़ाई, नहीं गए चुनावी रैलियों में'

इस बीच, शिवसेना के नेता संजय राउत ने स्वास्थ्य संकट के लिए देश के शीर्ष नेतृत्व को दोषी ठहराया है। उन्होंने कहा, 'हमारा नेतृत्व चुनाव जीतने और राजनीति करने के अलावा और कोई काम नहीं करना चाहता। उन्हें लगता है कि यही अंतिम सफलता है। यदि वैश्विक महामारी से निपटने पर ध्यान केंद्रित किया जाता, तो हम ऐसी स्थिति में नहीं होते।' उन्होंने महाराष्ट्र में स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे आगे रहकर कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'वह चुनावी रैलियों को संबोधित करने के लिए कहीं नहीं गए। वह लड़ रहे हैं, मुंबई में बैठे हैं और निर्देश दे रहे हैं। ठाकरे राजनीति नहीं कर रहे।'

मुंबई में अब गाड़ियों से आवाजाही के लिए ई-पास जरूरी, बंद हुई कलर स्टिकर कोड व्यवस्था

मुंबई, महाराष्ट्र में कोरोना के मामलों की रोकथाम के लिए मिनी लॉकडाउन लागू है। इसके तहत राजधानी मुंबई में बेहद जरूरी कामों के दौरान वाहनों की आवाजाही प्रभावित न हो, इसके लिए पुलिस आयुक्त हेमंत नगराले ने एक हफ्ते पहले हरे, पीले और लाल रंग वाले कोड स्टिकर की व्यवस्था शुरू की थी। यह व्यवस्था जारी ही थी कि शुक्रवार को महाराष्ट्र पुलिस के डीजीपी संजय पांडेय ने वाहन चालकों की आवाजाही के लिए पुरानी ई-पास व्यवस्था शुरू कर दी। इसके तहत वाहन चालकों के पास कहीं आने-जाने के लिए ई-पास होना जरूरी है। इसलिए बंद की स्टिकर व्यवस्था

स्टिकर और ई-पास दोनों व्यवस्थाओं के एक साथ लागू होने से कुछ लोगों ने प्रशासनिक आदेश के प्रति नाराजगी जताई थी। उनका कहना था कि मुंबई के लिए अलग-अलग रंगों के कोड वाली स्टिकर व्यवस्था और राज्य स्तर पर आवाजाही के लिए ई-पास की व्यवस्था होने से लोगों के बीच भ्रम पैदा हो रहा है। कलर स्टिकर से पुलिसकर्मियों को भी वाहनों की जांच में मुश्किल हो रही थी। इसको देखते हुए मुंबई पुलिस द्वारा कलर स्टिकर व्यवस्था रद्द कर दी गई है और शनिवार से ई-पास व्यवस्था लागू कर दी गई। नए नियम के मुताबिक, अब वाहनों को राज्य और जिला से बाहर आवाजाही के लिए ई-पास होना जरूरी है।

नशे का नाइजेरियाई नश्तर - एमडी के साथ धाराया नाइजेरियन

मुंबई सहित देश भर में आनेवाले अफ्रीकी खासकर नाइजीरियाई नागरिकों पर सख्ती से नकेल कसना अब जरूरी हो गया है। टूरिस्ट या शिक्षा के बहाने हिंदुस्थान आनेवाले ज्यादातर अफ्रीकी नागरिक बाद में मादक पदार्थों की तस्करी या ऑनलाइन फ्रॉड करने लगते हैं। ऐसे मामले लगातार सामने आ रहे हैं। ताजा मामले में मुंबई पुलिस की एंटी नार्कोटिक्स सेल (एएनसी) की बांद्रा यूनिट ने एक नाइजेरियन नागरिक को 84 लाख रुपए की एमडी ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया है। बता दें कि बांद्रा यूनिट के प्रभारी पीआई संजय चव्हाण शुक्रवार की रात साढे 10 बजे एपीआई सुशांत बंडगर, पीएसआई पावले व अपने अन्य सहयोगियों के साथ जुहू के सेंट जोसेफ चर्च के पास गश्त कर रहे थे। उसी दौरान उन्हें एक नाइजीरियाई नागरिक संदिग्ध रूप से घूमता नजर आया। बांद्रा यूनिट की टीम ने उसे हिरासत में लेकर उसकी तलाशी ली तो उसके पास से 700 ग्राम विशिष्ट किस्म की एमडी ड्रग्स बरामद हुई, जिसकी कीमत 84 लाख रुपए बताई जा रही है। आरोपी ने अपना नाम एन्नी चिमेजी बेंजामिन बताया, जो कि नई मुंबई के खारघर स्थित सेक्टर 34 में रहता था। वह एक पेशेवर ड्रग्स तस्कर है और मादक पदार्थों की तस्करी के सिलसिले में ठाणे जिले की मुंब्रा पुलिस ने उसे वर्ष 2019 में गिरफ्तार किया था लेकिन जमानत पर छूटने के बाद वह फिर से ड्रग्स की तस्करी करने लगा था।

बंगाल चुनाव के बीच कोलकाता में फूटा कोरोना बम, टेस्टिंग करवा रहा हर दूसरा शख्स निकल रहा पॉजिटिव

देशभर में कोरोना वायरस महामारी की वजह से हालात बद से बदतर हो चुके हैं। कई राज्यों में स्वास्थ्य सेवाएं चरमराने लगी हैं। कहीं किसी को बेड नहीं मिल रहा है तो किसी मरीज को ऑक्सीजन की कमी हो रही है। इन सबके बीच पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव भी चल रहे हैं। चुनाव के दौरान अब बंगाल में भी कोरोना के रिकॉर्डतोड़ मामले सामने आने लगे हैं। राज्य की राजधानी कोलकाता का हाल तो और भी काफी बुरा हो गया है। यहां कोरोना की आरटी-पीसीआर जांच करवा रहा हर दो में से एक शख्स पॉजिटिव पाया जा रहा है। वहीं, राज्य स्तर की बात करें तो चार में से एक शख्स की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव निकल रही है। यह संख्या पिछले महीने की अपेक्षा में पांच गुना अधिक है। एक महीने पहले 20 कोरोना जांचों में सिर्फ एक शख्स की रिपोर्ट पॉजिटिव पाई जा रही थी।

'अभी भी कई लोग नहीं करवा रहे कोरोना जांच' टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, आरटी-पीसीआर टेस्ट करने वाले लैब के एक डॉक्टर का कहना है, "कोलकाता और उसके आसपास के इलाकों की लैब्स जोकि कोरोना जांच कर रही हैं, उनकी जांच में 45-55 फीसदी पॉजिटिविटी रेट मिल रह है। वहीं, राज्य के अन्य शहरों में यह स्तर 24 फीसदी के आसपास है। एक महीने पहले सिर्फ पांच फीसदी ही था।" सीनियर डॉक्टर ने आगे बताया कि वास्तव में पॉजिटिविटी रेट तो कहीं अधिक है। कई ऐसे लोग हैं, जिन्हें हल्के या फिर बिल्कुल भी लक्षण नहीं हैं और वे कोरोना से संक्रमित हैं, लेकिन उन्होंने अभी तक जांच नहीं करवाई है। हम जरूरत के हिसाब से जांच नहीं कर रहे हैं। हमें इस समय कोरोना की जांच से पीछे नहीं हटना चाहिए। एक महीने में रिकॉर्ड बढ़े कोरोना के मामले

एक अप्रैल को बंगाल में 25,766 लोगों की कोरोना टेस्टिंग हुई थी, जिसमें सिर्फ 1274 लोग पॉजिटिव पाए गए थे। यह पॉजिटिविटी रेट 4.9 फीसदी की थी। शनिवार को 55,060 लोगों की जांच हुई, जिसमें से रिकॉर्ड 14,281 लोग पॉजिटिव मिले। यह दर 25.9 फीसदी है। पीयरलेस हॉस्पिटल के माइक्रोबायोलिजिस्ट भास्कर नारायण चौधरी ने बताया कि तेजी से संक्रमित होने के पीछे वजह म्यूटेंट वायरस है, जोकि काफी कम समय में ही ज्यादा से ज्यादा

लोगों को संक्रमित कर रहा है। एक अन्य वजह यह भी है कि जिन्हें लक्षण हैं, उनमें से ही कुछ लोग कोरोना की जांच करवाने जा रहे हैं। वहीं, एक और हॉस्पिटल के चेयरमैन ने बताया कि हमारी लैब में पॉजिटिविटी रेट बढ़कर 50 फीसदी तक पहुंच गया है। टेस्टिंग के सैंपल को लेकर दबाव काफी अधिक है। लेकिन यह अच्छा है कि लोग अब टेस्टिंग करवाने के लिए सामने आ रहे हैं। जितनी जल्दी हम कोरोना संक्रमितों को ढूंढकर उन्हें आइसोलेट कर सकें, वह हमारे लिए काफी बेहतर होगा। एक अन्य अधिकारी ने भी बताया कि उनकी लैब में पॉजिटिविटी रेट बढ़कर 55 फीसदी तक पहुंच गया है। बता दें कि पश्चिम बंगाल में शनिवार को एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के सबसे अधिक 14,281 मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 7,28,061 हो गई है।

कोरोना के युद्ध में, उतरी भारतीय वायु सेना!... ऑक्सीजन टैंकरों को एयरलिफ्ट करने की शुरुआत

मुंबई, वैश्विक कोरोना महामारी के संकट से निपटने के लिए अब भारतीय सेना भी इस लड़ाई में कूद पड़ी है। कोरोना मरीजों के इलाज के लिए ऑक्सीजन, दवाइयों और चिकित्सा उपकरणों की मांग बढ़ गई है। ऐसे में वायु सेना ने ऑक्सीजन टैंकरों की ढुलाई के लिए अपनी ताकत झोंक दी है।

कोरोना महामारी की दूसरी लहर में देश में बड़े पैमाने पर मरीज बढ़ रहे हैं। मरीजों के इलाज में ऑक्सीजन, वेंटिलेटर आईसीयू बेड, ऑक्सीजन बेड, दवाइयां आदि स्वास्थ्य सुविधाएं कम पड़ रही हैं। ऑक्सीजन के अभाव में कई मरीज दम तोड़ रहे हैं। महाराष्ट्र में ऑक्सीजन की कमी पूरा करने के लिए हाल ही में मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हवाई मार्ग से ऑक्सीजन पहुंचाने की सलाह दी थी। वायु सेना ने देश के अलग-अलग हिस्सों में ऑक्सीजन और स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए अपने बड़े जहाजों को मैदान में उतार दिया है। वायु सेना के बड़े विमानों से ऑक्सीजन टैंकर, सिलिंडर, जरूरी दवाइयां और चिकित्सीय उपकरण एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने की शुरुआत हो गई है। वायु सेना के विमानों से ऑक्सीजन के टैंकरों को एयरलिफ्ट किया जा रहा है, जिससे ऑक्सीजन की आपूर्ति जल्द होगी। हाल में रेल मार्ग के जरिए ऑक्सीजन टैंकर पहुंचाने की कोशिश की गई लेकिन समय और दूरी को देखते हुए एयरलिफ्ट सबसे बेहतर विकल्प माना जा रहा है। वायु सेना ने सी-१७ और आईएल-७६ विमानों के जरिए ऑक्सीजन टैंकरों को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने का काम शुरू कर दिया है। सेना की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार वायु सेना के दो सी-१७ विमानों से दो खाली क्रायोजेनिक ऑक्सीजन कंटेनर और एक आईएल-७६ विमान से एक खाली कंटेनर को पश्चिम बंगाल के पानागढ़ में पहुंचाया गया। वायु सेना के विमानों ने देशभर में स्वास्थ्यकर्मियों और चिकित्सा उपकरणों को भी एयरलिफ्ट कराया है। वायु सेना की इस पहल को बेहद अहम माना जा रहा है। जल्द ही ऑक्सीजन, दवाइयां व अन्य चिकित्सा उपकरणों को देश के अन्य हिस्सों में भी पहुंचाया जाएगा।

दिल्ली में और एक हफ्ते के लिए बढ़ा लॉकडाउन, अब 3 मई तक रहेगी पाबंदी

कोरोना वायरस के बढ़ते कहर को देखते हुए राजधानी दिल्ली में जारी लॉकडाउन को एक हफ्ते के लिए बढ़ा दिया है। इस लॉकडाउन की अवधि अब अगले सोमवार यानि 3 मई की सुबह तक रहेगी। रविवार को दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने इस बात की घोषणा की। बता दें कि दिल्ली में कोरोना संक्रमण की दर 36 फीसदी तक पहुंच गई है। यही वजह है कि सरकार लॉकडाउन की अवधि को एक हफ्ते के लिए बढ़ाया गया। रविवार को प्रेस कांफ्रेंस के दौरान सीएम अरविंद केजरीवाल

ने कहा कि हमने एक पोर्टल शुरू किया है जो ऑक्सीजन की आपूर्ति के बेहतर प्रबंधन के लिए ऑक्सीजन निर्माताओं, आपूर्तिकर्ताओं और अस्पतालों द्वारा हर दो घंटे में अपडेट किया जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय और राज्य की टीमें एक साथ काम कर रही हैं। आपको बता दें कि दिल्ली में लॉकडाउन के दौरान आवश्यक सेवाएं जारी रहेंगी। मेडिकल व्यवस्थाओं की और खाने-पीने की सेवाएं भी जारी रहेंगी। इसी दौरान शादियां भी होंगी वो भी 50 लोगों की अनुमति के साथ। इन सभी लोगों के लिए अलग से पास दिए जाएंगे। आपको बता दें कि शनिवार को रिकॉर्ड 357 कोरोना संक्रमित लोगों ने दम तोड़ा। इसी दौरान 24,000 से अधिक नए मामले सामने आए। दिल्ली में लोगों के संक्रमित पाए जाने की दर 32.27 प्रतिशत है।

कोरोना के बीच किल्लत

कोरोना की दूसरी लहर देश भर में जैसा भयावह रूप लेती जा रही है, वह अच्छा संकेत नहीं है। मरीजों की बेतहाशा बढ़ती संख्या के बीच अस्पतालों में आईसीयू बेड, ऑक्सिजन सिलिंडर और रेमडेसिविर दवा की भारी कमी की खबरें कई राज्यों से आ रही हैं। दिल्ली सरकार ने तो आधिकारिक तौर पर इन सबकी कमी की बात मानी है। कई राज्यों से ऐसी अपुष्ट रिपोर्टें आ रही हैं। मध्य प्रदेश के शहडोल में ऑक्सिजन की कमी से छह लोगों की मौत की खबर है। हालांकि सरकार इन मौतों के कारणों की जांच करवा रही है, इसलिए अभी पक्के तौर पर यह नहीं माना जा सकता कि मौत ऑक्सिजन की कमी के चलते हुई है। बहरहाल, ऑक्सिजन की कमी एक बड़ी समस्या है जिसे दूर करने की कोशिश में तमाम सरकारें लगी हुई हैं। रेलवे ने खास तौर पर ऑक्सिजन एक्सप्रेस चलाने की घोषणा की है ताकि कम से कम सप्लाई लाइन बाधित होने की वजह से अस्पतालों में

ऑक्सिजन की कमी न होने दी जाए। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसी समस्या के मद्देनजर राज्य में दस नए ऑक्सिजन प्लांट जल्द से जल्द लगवाने का आदेश दिया है।

जाहिर है, इससे फौरी तौर पर ऑक्सिजन की कमी दूर करने में कोई मदद शायद ही मिले, लेकिन कोरोना का जो रूप दिख रहा है, उसमें यह चुनौती इतनी जल्दी नहीं दूर होने वाली। ऐसे में थोड़ा आगे की सोच कर फैसला लेना समझदारी का कदम ही कहलाएगा। अफसोस की बात यह है कि इस कठिन समय में जमाखोर भी सक्रिय हो गए हैं. कई जगहों से रेमडेसिविर ब्लैक में कई गुना ज्यादा कीमत पर बेचे जाने की खबरें मिल रही हैं। इन पर रोक लगाने की कोशिशें फलित नहीं हुई हैं। आईसीयू बेड की कमी से निपटने के भी प्रयास हुए हैं, लेकिन वे काफी नहीं। ऐसे संकटपूर्ण हालात में जहां आवश्यक कदमों में असामान्य तेजी लाने की जरूरत होती है, वहीं शांति, समझदारी और संयम बरतने की आवश्यकता भी बढ़ जाती है। एक भी गैरजरूरी या गलत कदम परिस्थिति की जटिलता को कई गुना बढ़ा सकता है। सबसे ज्यादा जरूरी है यह याद रखना कि सरकार की ताकत का इस्तेमाल कहां होना चाहिए और कहां नहीं। आवश्यक दवाओं की जमाखोरी और कालाबाजारी करने वाले तत्वों पर सख्ती से रोक पहली जरूरत है। सरकार उस मोर्चे पर पूरी कड़ाई बरते। लॉकडाउन जैसे कदमों से त्रस्त लोगों की तकलीफ समझी जाए, जहां तक हो सके उनकी मदद करने की कोशिश हो। लेकिन सरकार के लिए सबसे बड़ा और कठिन मोर्चा है मरीजों के लिए आवश्यक संसाधन जुटाने का। इलाज के काम में पूरे देश का समूचा स्वास्थ्य ढांचा जुटा ही हुआ है। इसमें सीधा दखल देने से बचते हुए सरकार इस ढांचे से तालमेल बनाए रखते हुए उसकी जरूरतें पूरी करने और उसे आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराने पर ध्यान दे तो सब मिल-जुलकर इस कठिन चुनौती से भी पार पा लेंगे।

अपने ही जाल में फंसे इमरान

किरीट ए. चावड़ा

अपनी गलत प्राथमिकताओं और समझौतापरस्त नीतियों के चलते पाकिस्तान की इमरान खान सरकार ऐसी स्थिति में फंस गई है कि उससे न आगे बढ़ते बन रहा है और न पीछे हटते। एक सप्ताह पहले जिस तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) को आतंकी संगठन बताते हुए इमरान सरकार ने बैन किया था, उसी के आगे घुटने टेकते हुए उसने यह स्वीकार कर लिया है कि संसद की दो दिवसीय बैठक बुलाकर उसमें फ्रांसीसी राजदूत को वापस भेजने का प्रस्ताव पेश किया जाएगा। ध्यान रहे, पाकिस्तान सरकार और खुद प्रधानमंत्री इमरान खान भी फ्रांसीसी राजदूत को वापस भेजे जाने के प्रस्ताव से सहमत नहीं हैं। पिछले दिनों उन्होंने टीवी पर प्रसारित एक संबोधन में कहा था कि फ्रांसीसी राजदूत को वापस भेजने का मतलब होगा पूरे यूरोपियन यूनियन (ईयू) से रिश्ते खत्म होना। चूंकि पाकिस्तान के टेक्सटाइल एक्सपोर्ट का 50 फीसदी यूरोप को जाता है, इसलिए ईयू से रिश्ते खत्म होने का मतलब होगा देश के टेक्सटाइल एक्सपोर्ट का आधा हिस्सा गायब हो जाना। मगर इमरान खान की ये समझदारी की बातें

टीएलपी के जुनूनी समर्थकों को समझ में नहीं आनी थीं, ना आईं। उन्होंने अपना कथित आंदोलन तेज कर दिया और देश में जगह-जगह आंदोलनकारियों की पुलिस

से मुठभेड़ शुरू हो गई। चार पुलिसकर्मी मारे गए और बड़ी संख्या में घायल हुए। यही नहीं करीब दर्जन भर वरिष्ठ पुलिस अधिकारी बंधक भी बना लिए गए। नतीजा यह कि अपने ही देश में पाकिस्तान सरकार ऐसी लाचार हो गई कि उसे इस प्रतिबंधित आतंकी संगठन के साथ बातचीत करके बाकायदा समझौता करना पड़ा। इस पूरे प्रकरण का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अपने देश और सरकार को इस अपमानजनक स्थिति में पहुंचाने के लिए अगर कोई एक व्यक्ति सबसे ज्यादा जिम्मेदार है तो वह हैं खुद प्रधानमंत्री इमरान खान। फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों ने अगर मोहम्मद साहब के कार्टून छापने को अपने देश के अंदर अभिव्यक्ति की आजादी से जुड़ा मसला बताया था, तो यह उनके देश और संविधान के दायरे में आने वाली बात थी। अन्य देशों की तरह पाकिस्तान के भी धार्मिक कट्टरपंथी संगठनों ने इस पर प्रतिक्रिया दी भी तो बतौर प्रधानमंत्री इमरान खान को उससे दूरी बनाए रखनी चाहिए थी। मगर उन्होंने इसे इस्लामी जगत में अपना कद ऊंचा करने के एक मौके के रूप में देखा और भुनाने में जुट गए। इसी का परिणाम है कि देश के अंदर कट्टरपंथियों की हिम्मत और ताकत इस कदर बढ़ गई कि उन्होंने सरकार को घुटने पर ला दिया। मामला भले पाकिस्तान का हो, सबक इसमें हर देश और समाज के लिए है। धार्मिक कट्टरंपथ को अगर आपने किसी भी रूप में बढ़ावा देना शुरू किया तो फिर यह सिलसिला आसानी से नहीं थमता। आखिरकार उसकी कीमत पूरे समाज को चुकानी पड़ती है।

खिलाड़ी हैं कम पर मेडल के लिए पूरा दम

जिगर डी वाढेर

कोरोना का कहर अभी जारी है, लेकिन इस बार माना जा रहा है कि ओलिंपिक्स होकर रहेगा। ऐसे में तोक्यो ओलिंपिक्स के आयोजक इसमें आने वाले खिलाड़ियों को टीका लगवाने की योजना तो बना ही रहे हैं, साथ ही खेल गांव के नजदीक ही ऐसी व्यवस्था कर रहे हैं जहां पॉजिटिव पाए जाने वाले खिलाड़ियों को अलग से क्वॉरंटीन किया जा सके। फिर भी इस आयोजन पर खतरा अभी भी बना हुआ है। ओलिंपिक्स के आयोजन में अब 100 दिन से भी कम बचे हैं। क्वॉलिफाइंग टूर्नामेंट भी अब धीरे-धीरे खत्म होते जा रहे हैं। भारतीय खिलाड़ियों ने भी कई स्पर्धाओं में क्वॉलिफाई किया है, लेकिन यह संख्या पिछली बार की तुलना में निराशाजनक है। पिछली बार भारत के 117 खिलाड़ियों ने 67 स्पर्धाओं के लिए क्वॉलिफाई किया था, लेकिन इस बार अभी तक 91 ऐथलीट 48 स्पर्धाओं के लिए ही क्वॉलिफाई कर पाए हैं। हालांकि कई ऐथलीट के पास अभी भी क्वॉलिफाई करने का मौका है। खासकर बैडमिंटन, ऐथलेटिक्स और रेसलिंग में अभी और खिलाड़ी क्वॉलिफाई कर सकते हैं, लेकिन पिछली बार की संख्या को पार कर पाना मुश्किल ही लग रहा है। बहरहाल, क्वॉलिफाई करने में भले इस बार थोड़ा पीछे रहे हों, लेकिन पदकों की संख्या पिछली बार से बढ़ने की उम्मीद है।

अगर हम उम्मीद पर ही बात करें तो भारत के लिए पदक की सबसे बड़ी उम्मीद एक बार फिर रेसलिंग ही होगी। हॉकी के बाद अगर ओलिंपिक्स में भारत को किसी खेल में लगातार मेडल मिले हैं, तो वह रेसलिंग ही है। पिछले तीन ओलिंपिक्स से मेडल जीत रहे पहलवानों की इस

परंपरा को इस बार महिलाओं में दिग्गज विनेश फोगाट, सोनम मलिक, अंशु मलिक और पुरुषों में बजरंग पूनिया, दीपक पूनिया और रवि दहिया आगे बढ़ा सकते हैं। रेसलिंग के बाद शूटिंग में भी भारत का दावा मजबूत है। व्यक्तिगत खेलों में सबसे ज्यादा 15 खिलाड़ियों ने शूटिंग में ही क्वॉलिफाई किया है जहां मनु भाकर प्रबल दावेदारों में हैं। हमारे 9 बॉक्सर भी अब तक कोटा हासिल कर चुके हैं और यहां भी पुरुषों के साथ ही महिला वर्ग में भी उनका दावा मजबूत माना जा रहा है। इस बीच, भारतीय पुरुष हॉकी टीम इन दिनों जिस तरह का प्रदर्शन कर रही है उसे देखते हुए यहां भी पदक का सूखा खत्म होने के पूरे आसार हैं। इसके अलावा बैडमिंटन में पीवी सिंधु अपने पिछले पदक को गोल्डन रंग में रंगना चाहेंगी, तो जैवलीन थ्रोअर नीरज चोपड़ा भी अपने बेहतरीन खेल से ऐथलेटिक्स में भारत को पहली बार व्यक्तिगत स्वर्ण पदक दिलाने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहेंगे। आर्चरी में भी हमारे आर्चरों से इस बार सटीक निशाने की उम्मीद है, जबकि टेबल टेनिस में मनिका बत्रा कुछ कमाल कर सकती हैं।

हमारे कई और दिग्गज हैं जो ओलिंपिक्स के लिए क्वॉलिफाई करने के करीब हैं। इनमें सबसे बड़ी संख्या बैडमिंटन में हो सकती है। सिंधु की जगह तो तय है ही, लेकिन महिला वर्ग में साइना नेहवाल फिलहाल अगर-मगर में फंसी हुई हैं। पुरुष सिंगल्स की बात करें तो किदांबी श्रीकांत और साई प्रणीत की भी जगह लगभग तय है। लक्ष्य सेन ने भी खुद को होड़ में बनाए रखा है। डबल्स में भी हमारे कई खिलाड़ी क्वॉलिफाई कर सकते हैं। दिल्ली में 11 से 16 मई तक प्रस्तावित इंडिया ओपन सुपर टूर्नामेंट से बैडमिंटन में खिलाड़ियों का रास्ता आसान हो जाता, लेकिन इसके स्थगित होने से कई सारे खिलाड़ियों के हाथ बस निराशा ही लगी है। इस बीच वेटलिफ्टिंग में मीराबाई चानू को भी रविवार को ओलिंपिक का टिकट मिल गया। चानू भी अगर-मगर में फंसी हुई थीं। वैसे नॉर्थ कोरिया के कोरोना के चलते ओलिंपिक से हटने के बाद उनका टिकट पक्का हो ही गया था, लेकिन रविवार को चानू ने एशियाई चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज जीतकर टिकट के इंतजार को खत्म कर दिया। हालांकि अभी सारी निगाहें देश के अंदर की स्थिति पर ही टिकी हुई हैं। जिस तरह कोरोना लगातार फैल रहा है और खिलाड़ी भी इसकी चपेट में आ रहे हैं, उसे देखते हुए अभी अंतिम तौर पर कुछ भी कहना जल्दबाजी हो सकता है।

एक ही रास्ता बचा है, चीन से भिड़ना होगा

भूपेन्द्र पटेल

पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर जारी भारत-चीन तनाव को सैन्य वार्ता के जरिए हल करने की संभावना लगभग समाप्त हो चली है। आखिरी नतीजा जनवरी में हुई नौवें राउंड की बातचीत के दौरान निकला था, जब दोनों सेनाओं ने पैंगोंग त्सो झील के उत्तरी और दक्षिणी किनारों पर अपने-अपने पारंपरिक ठिकानों पर जाने और बीच की जगह को कुछ समय के लिए 'नो पैट्रोलिंग जोन' बना देने का फैसला किया था। उसके बाद फरवरी में दसवें राउंड की और बीते 11 अप्रैल को खत्म हुई ग्यारहवें राउंड की बातचीत न सिर्फ बेनतीजा रही, बल्कि ग्यारहवें राउंड के बाद दोनों पक्षों ने कोई साझा बयान भी जारी नहीं किया, जो छठे राउंड के बाद से वे लगातार करते आ रहे थे।

भारी नुकसान किसी को लग सकता है कि ठीक है, बातचीत से कोई फायदा नहीं निकल रहा है तो इसे खींचने का कोई मतलब नहीं। दोनों पक्ष इस कर्मकांड के बिना भी अपनी-अपनी जगह शांति से रह सकते हैं। लेकिन ऐसी राय बनाने के लिए आपका घटनाक्रम से पूरी तरह अनभिज्ञ होना जरूरी है। सचाई यह है कि भारतीय पक्ष पिछले साल की इसी तारीख की तुलना में अभी बहुत भारी नुकसान में है। चीनी कब्जे के चलते आठ जगहों पर भारतीय सैनिकों की नियमित गश्त या तो बंद है, या उसका दायरा सिकुड़ गया है। शुरुआत बिल्कुल उत्तर में देप्सांग के मैदानी इलाके से करते हैं। पूर्वी लद्दाख में भारतीय सेना के लिए दौलत बेग ओल्डी का महत्व दिल जैसा है, जहां भारत की सर्वाधिक सीमावर्ती हवाई पट्टी मौजूद है। इसके पूरब में सियाचिन ग्लेशियर है, जहां तैनात भारतीय फौजियों को हवाई सुरक्षा देना और हवाई गश्त के जरिये चीन और पाकिस्तान, दोनों की हरकतों पर नजर रखना इसका काम है। देप्सांग का मैदान इसके बहुत करीब है और यहां चीनी फौजों के घुस आने से भारत के पांच पैट्रोलिंग पॉइंट (पीपी) 10, 11, 11 ए, 12 और 13 नाकारा हो गए हैं। चीन ने यह कदम सियाचिन इलाके की किलेबंदी के लिए उठाया है।

इसके दक्षिण में पीपी-14 का संबंध गलवान घाटी से है, जहां पिछले साल 15 जून को हुई खूनी झड़प के बाद दोनों देशों के बीच सैन्य और कूटनीतिक वार्ताओं का दौर शुरू हुआ था। कहने को यहां दोनों सेनाएं अभी दूर-दूर हैं और बीच में गलवान नदी के दोनों तरफ नो पैट्रोलिंग जोन बना दिया गया है। लेकिन नुकसान यहां भी भारतीय सेना का ही हुआ है और लगातार दुश्मन की नजर में रहने के कारण हाल ही में तेज वाहनों के अनुरूप बनाई गई अत्यंत महत्वपूर्ण सीमावर्ती सड़क दरबुक-श्योक-दौलत बेग ओल्डी रोड पर फौजी मूवमेंट मुश्किल हो गया है। इसके और दक्षिण में जाएं तो पीपी-15 यानी गोगरा और पीपी 17-ए यानी हॉट स्प्रिंग्स पर भी चीनी सैनिकों का दबदबा है। लद्दाख में 1959 में हुए पहले भारत-चीन टकराव वाले बिंदु कोंग्का दर्रे पर दबिश देने के लिए ये दोनों पैट्रोलिंग पॉइंट बहुत महत्वपूर्ण रहे हैं लेकिन दोनों पर भारतीय सैनिक अभी हिलने की हालत में नहीं हैं। इसके भी दक्षिण में पैंगोंग त्सो झील की पोजिशन आती है, जिसके उत्तरी किनारे पर चीनी सैनिक आठ किलोमीटर भीतर घुसकर फिंगर फोर पर चढ़े बैठे थे। दोनों सेनाओं के बीच नौवें दौर की वार्ता के बाद वे फिंगर आठ पर अपनी पारंपरिक छावनी में चले गए हैं जबकि भारतीय सैनिक फिंगर दो और तीन के बीच अपने स्थायी ठिकाने धन सिंह थापा पोस्ट पर आ गए हैं। बीच के पूरे इलाके को नो पैट्रोलिंग जोन बना दिया गया है लेकिन हकीकत यह है कि मई 2020 तक भारतीय सैनिक फिंगर आठ तक पैट्रोलिंग करते थे, जिसका हक अकारण उनसे छिन गया है। यहां याद करना जरूरी है कि पैंगोंग के उत्तरी किनारे पर चीन के समझौतावादी रुख अपनाने की अकेली वजह यह थी कि बीतते अगस्त में 3000 हिंदुस्तानी फौजियों ने इसके दक्षिणी किनारे पर चुशूल इलाके की कई पहाड़ियों पर कब्जा जमा लिया था, जहां से चीन की मोल्दो छावनी पर कभी भी दबिश दी जा सकती थी। सीमा पर शांति जरूरी है और जाड़ों में लद्दाख के ऊंचे इलाके बिना लड़ाई के भी जानलेवा हो जाते हैं, पर सीमा की शतरंज में इन पहाड़ियों को छोड़ना फौजियों को निश्चित रूप से खल गया होगा।असल बात यह है कि भारत ने चुशूल में अपना दबदबा पैंगोंग के उत्तरी किनारे पर चीन को फिंगर 8 तक पीछे भेजने के लिए नहीं, इस उम्मीद में छोड़ा था कि माहौल सुधरने के साथ चीनी फौजें उत्तरी पैट्रोलिंग पॉइंट्स से भी अपना कब्जा छोड़कर अपने स्थायी ठिकानों पर चली जाएंगी और एलओसी पर मई 2020 से पहले वाली स्थिति लौट आएगी। नौवें राउंड की सैन्य वार्ता के बाद रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का संसद में दिया गया बयान इसी भावना में पगा हुआ था। लेकिन उसके बाद चीन के तेवर बिल्कुल बदल गए और चीनी सैन्य वार्ताकार की तरफ से जो बयान जारी हुआ, उसमें कहा गया कि 'भारत को सीमावर्ती क्षेत्रों में तनाव कम करने की मौजूदा सकारात्मक स्थिति को खजाने की तरह संजो लेना चाहिए।' धमकी की भाषा इस बयान में छिपी तुर्शी जगजाहिर है। सकारात्मक स्थिति का लाभ उठाने की जितनी जिम्मेदारी भारत की है, उतनी ही चीन की भी है। इस बात को एकतरफा ढंग से कहने को क्या चीन की धमकी की तरह लेना चाहिए? भारत और चीन दो उभरती हुई विश्व शक्तियां और एक-दूसरे के लिए हर दृष्टि से महत्वपूर्ण देश हैं। वास्तविक नियंत्रण रेखा दोनों देशों के बीच की स्थायी सीमा नहीं है, लेकिन उसे इतने हल्के ढंग से भी नहीं लिया जाना चाहिए कि नजर हटते ही कई किलोमीटर भीतर घुसकर छावनियां बना ली जाएं। माहौल सुधारने और आपसी भरोसा बहाल करने के लिए चीनी फौजें अगर बिना किसी खूनखराबे के अपनी पुरानी स्थिति में चली जाती हैं तो इसमें चीन का कोई नुकसान नहीं है।

बम धमाके के आरोपी की हत्या मामले में छोटा राजन बरी, 2001 में हुआ था कादावाला का मर्डर

मुंबई। विशेष अदालत ने 1993 बम धमाके के मामले के आरोपी व फिल्म निर्माता हनीफ कादावाला की हत्या के मामले से आरोपी माफिया सरगना छोटा राजन व जगन्नाथ जैसवाल को बरी कर दिया है। न्यायाधीश ने सबूतों के अभाव में आरोपियों को बरी किया है। सीबीआई ने राजन को 70 मामलों में आरोपी बनाया है। उनमें से यह एक मामला है।

मामले से जुड़े दो आरोपियों को अदालत ने पहले ही बरी कर दिया था। जबकि एक आरोपी की मौत हो गई थी। राजन फिलहाल दिल्ली की तिहाड जेल में है और वह पत्रकार जेडे हत्याकांड में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। राजन को साल 2015 में इंडोनेशिया के बाली से भारत लाया गया था। अभियोजन पक्ष के मुताबिक साल 2001 में बांद्रा इलाके में कादावाला के ऑफिस में तीन लोगों ने उसकी हत्या कर दी थी। 1993 धमाके मामले में आरोपी कादावाला पर टाइगर मेमन के निर्देश पर मुंबई में हथियार पहुचाने का आरोप था।इस घटना के बाद बांद्रा पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरु की थी। जांच के दौरान संगठित तरीक़े से अपराध को अंजाम देने का खुलासा हुआ था। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संगठित अपराध नियंत्रण कानून(मकोका) की कड़ी धाराए लगाई थी।

इस मामले में अलग अलग समय पर आरोपत्र दायर किए गए। आखिर में राजन की गिरफ्तारी के बाद आरोपत्र दायर किया गया। सुनवाई के दौरान न्यायाधीश ने पाया कि आरोपी के खिलाफ बयानों के अलावा कोई ठोस सबूत नहीं है। इसलिए आरोपियों को सबूत के अभाव में बरी किया जाता है।

आम जनता को लोकल ट्रेन में यात्रा से रोकने के लिए मध्य रेलवे ने शुरु की तैयारियां

ब्रेक द चेन के अंतर्गत महाराष्ट्र राज्य सरकार ने जिस तरह से बुधवार रात को नई गाइडलाइन जारी की है। उसके मुताबिक सिर्फ तीन कैटेगिरी के लोगों को लोकल ट्रेन से सफर करने की अनुमति दी गई है। यह नई गाइडलाइन गुरुवार रात 8 बजे से लागू होने वाली है। जिसके चलते रेल प्रशासन ने भी अपनी कमर कसनी शुरू कर दी है। जिसके तहत मुंबई और आसपास के सभी रेलवे स्टेशनों के गेट बंद होने वाले हैं। साथ ही आम लोग और जिन यात्रियों को लोकल से जाने की इजाजत नही दी गई है। उन्हें किसी प्रकार की कोई दिक्कत न हो। इसके लिए बड़े पैमाने पर पुलिस बल तैनात किया जा रहा है। कोरोना महामारी की दूसरी लहर में मिनी लॉकडाउन लगाए जाने के बावजूद जो लोग बेवजह सड़को पर घूम रहे है। उन लोगों पर नया नगर पुलिस कार्रवाई कर रही है। साथ ही पुलिस कर्मचारी पुलिस वैन पर लगे माइक से नागरिको को मौजूदा समय मे कोरोना महामारी के कारण बने हालातों की जानकरी दे कर जागरूक कर रहे हैं।

एंटीलिया मामले में एक और पुलिस अधिकारी गिरफ्तार, माने ने मनसुख को किया था फोन

मुंबई। उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर एंटीलिया के पास मिली विस्फोटक लदी कार और मनसुख हिरेन की हत्या के मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने एक और पुलिस अधिकारी इंस्पेक्टर सुनील माने को मामले में गिरफ्तार किया है। एनआईए के एक अधिकारी के मुताबिक गुरूवार को माने को पूछताछ के लिए बुलाया गया था। उसकी भूमिका सामने आने के बाद उसे गिरफ्तार करने का फैसला किया गया। शुक्रवार को गिरफ्तारी के बाद माने को विशेष एनआईए कोर्ट में पेश किया गया जहां से उसे 28 अप्रैल तक जांच एजेंसी की हिरासत में भेज दिया गया। माने की कोर्ट में पेशी के दौरान एनआईए ने अदालत को बताया कि उसी ने 4 मार्च को मनसुख हिरन को फोन कर बुलाया था। वारदात के समय माने कांदिवली क्राइम बांच में तैनात था। 4 मार्च को मनसुख हिरन अपनी पत्नी से यह बोलकर घर से निकले थे कि उन्हें कांदीवली क्राइम ब्रांच से तावडे नाम के पुलिसकर्मी ने फोन कर पूछताछ के लिए बुलाया था। एनआईए की जांच में खुलासा हुआ कि माने ने ही हिरन को तावडे के नाम से फोन किया था। यही नहीं हिरन की हत्या के दौरान वह वारदात वाली जगह पर भी मौजूद था। कुछ दिनों पहले ही माने को अपराध शाखा से तबादला कर सशस्त्र पुलिस बल में भेज दिया गया था। इस मामले में गिरफ्तार होने वाला माने पांचवां आरोपी है। वाझे और काजी को पहले ही मुंबई पुलिस से निलंबित किया जा चुका है अब माने की गिरफ्तारी के बाद उसे भी जल्द ही निलंबित कर दिया जाएगा। मामले की शुरूआती छानबीन करने वाले आतंकवाद निरोधक दस्ते ने भी माने से पूछताछ की थी। इस मामले में एनआईए ने विनायक शिंदे नाम के निलंबित कांस्टेबल और नरेश गोर नाम के बुकी को भी गिरफ्तार किया है। वाजे, काजी की हिरासत बढ़ी वहां मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपी सचिन वाझे और उसके सहयोगी रहे रियाजुद्दीन काजी की भी न्यायिक हिरासत 5 मई तक बढ़ा दी गई है। कोर्ट में पेशी के दौरान वाझे ने वकील के जरिए कलम, कागज, कार्बन पेपर की मांग की थी जिसे अदालत ने ठुकरा दिया। वाझे ने इलाज के लिए दवाइयों की भी मांग की लेकिन एनआईए के वकील ने यह कहते हुए विरोध किया कि इसके लिए डॉक्टर की पर्ची साथ नहीं जोड़ी गई है। वाझे ने दूसरी रोजाना इस्तेमाल की चीजों की भी मांग की थी लेकिन उसे भी अदालत ने ठुकरा दिया।

गढ़चिरौली में पुलिस स्टेशन पर नक्सलियों का ग्रेनाइट अटैक, बाल बाल बची पुलिस वालों की जान

मुंबई,महाराष्ट्र के नक्सल प्रभावित जिले के गढ़चिरौली में नक्सलवादियों ने एक पुलिस स्टेशन पर ग्रेनेड से हमला किया है। हालांकि ग्रेनेड के ना फटने की वजह से एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया है। आपको बता दें कि कुछ दिनों पहले छत्तीसगढ़ में गट्टा पुलिस स्टेशन पर हमला नक्सलवादियों का मोर्चा अब महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में हलचल करता हुआ नजर आ रहा है। नक्सलियों ने जिले के एटापल्ली तहसील की गट्टा पुलिस स्टेशन पर ग्रेनेड से हमला किया था। सौभाग्य से ग्रेनेड में विस्फोट ही नहीं हुआ। इस हमले के बाद पुलिस अब इस बात की छानबीन में जुटी है कि आखिर नक्सली पुलिस स्टेशन तक पहुंचे कैसे? इस घटना के बाद पुलिसकर्मियों को और भी ज्यादा सचेत रहने की जरूरत है। पुलिस का सर्च ओपेराशन शुरू नक्सलवादी इस पुलिस स्टेशन परिसर में कैसे दाखिल हुए? गट्टा पुलिस स्टेशन पर हमला करने वाले नक्सली किस गुट के थे ? इन सब सवालों की जानकारी के लिए पुलिस ने इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया है। बीजापुर में हुआ था नक्सली हमला छत्तीसगढ़ में बीजापुर के जंगलों में अप्रैल के पहले सप्ताह में नक्सलवादियों और भारतीय जवानों के बीच में जोरदार मुठभेड़ हुई थी। इस मुठभेड़ में 22 जवान शहीद हुए थे जबकि 31 जवान जख्मी। बीते कुछ दिनों में भारतीय सुरक्षा रक्षकों पर नक्सलवादियों की तरफ से किए गए हमलों में यह सबसे बड़ा हमला था।

घंटों छापेमारी के बाद फिर अनिल देशमुख के घर पहुंची CBI। टीम, पूर्व गृह मंत्री भी लौटे घर

नागपुर, सीबीआई ने शनिवार सुबह से लेकर शाम तक महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख के नागपुर स्थित आवास पर छापेमारी की। जांच एजेंसी ने इसके साथ अन्य जगहों पर भी रेड डाला। काफी देर तक छानबीन के बाद सीबीआई टीम यहां से रवाना हो गई। देर शाम फिर टीम देशमुख के आवास पर पहुंच गई और दोबारा छानबीन शुरू की। कोरोना संबंधी मामलों पर बैठक के लिए बाहर गए अनिल देशमुख भी अचानक वापस घर लौट आए। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को 100 करोड़ रुपये वसूली मामले के आरोपियों से पूछताछ करने का आदेश दिया था। इसके बाद सीबीआई ने पुलिस अधिकारी

संजय पाटिल, याचिकाकर्ता जयश्री पाटिल, निलंबित एपीआई सचिन वझे, मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह से पूछताछ की थी। बाद में अनिल देशमुख से भी पूछताछ की गई थी। जल्द ही देशमुख को गिरफ्तार किए जाने का अंदेशा जताया जा रहा है। अनिल देशमुख के आवास पर छापेमारी करने आने वाली टीम पीपीई किट में नजर आई। अनिल देशमुख शहर में बने एक कोविड आइसोलेशन सेंटर की समीक्षा करने के लिए गए थे पर रेड की जानकारी मिलने पर वापस घर लौट आए। सीबीआई टीम एक बार फिर देशमुख के आवास पर छानबीन में जुटी है। एजेंसी की एक टीम दिल्ली से शुक्रवार रात नागपुर पहुंची और उसने देशमुख से जुड़ी सम्पत्तियों पर शनिवार सुबह छापेमारी शुरू की।

अचानक घर लौटे अनिल देशमुख अचानक घर लौटे अनिल देशमुख मुंबई के पूर्व सीपी ने लगाई थी याचिका मुंबई के पूर्व कमिश्नर परमबीर सिंह ने 25 मार्च को आपराधिक जनहित याचिका दायर कर देशमुख के खिलाफ सीबीआई जांच की मांग की थी। सिंह ने आरोप लगाया है कि देशमुख ने निलंबित पुलिस अधिकारी सचिन वाजे समेत पुलिस अधिकारियों को बार और रेस्तरां से 100 करोड़ रुपये की वसूली करने के लिये कहा था। वाजे उद्योगपति मुकेश अंबानी के मुंबई स्थित आवास के निकट विस्फोटकों के लदी एसयूवी मिलने के मामले में एनआईए जांच का सामना कर रहे हैं।

सरकारी रेमडेसिवीर पर निजी अस्पतालों का 'कब्जा'!

मीरा-भाईंदर, मीरा-भाईंदर के कुछ निजी अस्पतालों के पास मनपा के रेमडेसिवीर इंजेक्शन के सैकड़ों वायल्स रखे हुए हैं। वायल्स की संख्या 205 है। नियमानुसार इन वायल्स को निजी अस्पतालों द्वारा मनपा को लौटा दिया जाना चाहिए था। हालांकि ऐसा अब तक हो सका है। एक आरटीआई में मिले जवाब में इस बात का खुलासा हुआ है। सितंबर 2020 में जारी किए एक परिपत्रक के तहत मीरा-भाईंदर मनपा ने शहर के निजी अस्पतालों को रेमडेसिवीर इंजेक्शन (100 एमजी) के 375 वायल्स दिये थे। नियमानुसार ये इंजेक्शन निजी अस्पतालों को मनपा को लौटाने थे लेकिन 6 महीने बीत जाने के बाद भी मनपा को मात्र 170 इंजेक्शन ही वापस मिले है। मनपा को अभी भी अपने 205 वायल्स मिलने का इंतेजार है। प्रशासन की मिलीभगत से हो रही कालाबाजारीअजीम तंबोली बताते है कि एक तरफ़ सरकारी अस्पतालों ने रेमडेसिवीर इंजेक्शन उपलब्ध नही हो रहा है तो वही निजी अस्पतालों में 'उचित कीमत' देने पर ही यह मिल पाता है। अजीम की माने तो रेमडेसिवीर की कालाबाजारी बिना प्रशासन के सहयोग के संभव ही नही है। वायल्स पाने के प्रयास जारी मनपा के वैधकीय अधिकारी प्रमोद पडवल बताते है कि सभी निजी अस्पतालों को वायल्स वापस लौटाने के लिए सूचित कर दिया गया है। यह मामला स्थायी समिति की बैठक में भी उठ चुका है। प्रशासन बाकी बचे हुए वायल्स वापस पाने के लिए प्रयासरत है।

डॉक्टर ने कोरोना मरीजों से ICU में बेड के नाम पर लिए तीन लाख रुपये, केस दर्ज

ठाणे, महाराष्ट्र में लगातार बढ़ रहे करोना वायरस के मामलों से हड़कंप मचा है। मरीजों को अस्पताल में बेड नहीं मिल रहे हैं। कई लोग लोगों पर आई इस मुसीबत का फायदा उठाने में लगे हैं। ऐसा ही एक मामला ठाणे से सामने आया है। यहां पुलिस ने म्युनिसिपल कार्पोरेशन से अटैच एक डॉक्टर को गिरफ्तार किया है। डॉक्टर पर आरोप है कि उसे दो महीजों को आईसीयू में भर्ती करने के नाम पर घूस ली। दोनों मरीजों से तीन लाख में सौदा तय हुआ था। मामला ग्लोबल हब कोविड अस्पताल का है। गरुवार को मामले के सामने आने के बाद महापौर नरेश महस्के ने आरोप की जांच का आदेश मनपा प्रशासन को दिया था। इसके बाद मनपा आयुक्त डॉक्टर बिपिन शर्मा के निर्देश पर कापुरबावडी पुलिस स्टेशन में डॉ. परवेज, डॉक्टर नाजनीन, अबिद खान, ताज खान और अब्दुल गफार

खान के ख़िलाफ आईपीसी 420,286 तथा 34 के तहत मामला दर्ज किया गया।

एजेंसी के जरिए अपॉइंट किए गए थे डॉक्टर सभी लोग मेसर्स ओमसाई आरोग्य केयर प्रा.लि. एजेंसी से जुड़े हैं। अस्पताल में डॉक्टर और अन्य स्टाफ की आपूर्ति का ठेका इसी संस्था के पास है। कापुरबावडी पुलिस ने डॉ.परवेज को गिरफ्तार किया है। परवेज को ठाणे न्यायालय में पेश किया गया। उसे 5 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया है। पुलिस को लगता है कि परवेज और उससे जुड़े लोगो ने और भी मरीजों को भर्ती करने के लिए इसी तरह रुपये लिए होंगे। जूनियर डॉक्टरों ने दी यह गवाही अस्पताल में कार्यरत डॉक्टर अनंत मांजरेकर, डॉक्टर पल्लवी हावरे, डॉक्टर जेबा बलबले तथा डॉक्टर उमर शेख ने अपने बयान में डॉ. परवेज और सेंटर हेड डॉक्टर नाजनीन के इशारे पर बेड खाली रखने की बात कही है। मनपा के पीआरओ संदीप मालवी से आरोपी डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई की बात पूछे जाने पर उनका कहना था कि मामला दर्ज किया गया है और अब पुलिस अपने हिसाब से आरोपियों के खिलाफ जांच करेगी। आईसीयू के लिए रुपये मांगने का आरोप आपको बता दें कि वसई निवासी सचिन बाबर के पिता दिलीप बाबर को गुरुवार को ग्लोबल हब अस्पताल में लाया गया था जहां डेढ़ लाख रुपये देते ही आधे घंटे में दिलीप को आईसीयू में भर्ती कर लिया गया था। मामले के सामने आते ही हड़कंप मच गया था। स्वास्थ्य विभाग में भ्रष्टाचार आया सामने इस घटना से टीएमसी के स्वास्थ्य विभाग में भ्रष्टाचार सामने आया है। एक पखवाड़े पहले, चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी राजू मुरुडकर को एक निजी फर्म से पहली किस्त के रूप में 5 लाख रुपये की रिश्वत मांगने और लेने के मामले में गिरफ्तार किया गया था। अधिकारियों ने फर्म से 30 वेंटिलेटर के एक टेंडर को मंजूरी देने के लिए 10 पर्सेंट कमीशन के रूप में 15 लाख रुपये की मांग की थी।

BMC अब घर-घर जाकर करेगी कोरोना मरीजों की जांच, 10 ऐम्बुलेंस और 10 लोगों की टीम तैयार

मुंबई, मुंबई से कोरोना को ख़त्म करने के लिए बीएमसी ने कमर कस ली है। अब महानगरपालिका के कर्मचारी घर-घर कोरोना मरीजों की जांच करेंगे। वहीं शहर में कोरोना मरीजों के इलाज के लिए बेड की किल्लत को दूर करने के लिए भी बीएमसी ने रास्ता ढूंढ लिया है। अब कोरोना पॉजिटिव मरीजों के घर जाकर मेडिकल टीम जांच करेगी। उसके बाद तय किया जाएगा कि मरीज को अस्पताल में एडमिट करने और बेड की आवश्यकता है या नहीं। यह काम वॉर्ड वॉर रूम और मेडिकल टीम के समन्वय से किया जाएगा। घर- घर जाकर जांच करने के लिए हर वॉर्ड में 10- 10 की टीम बनाई गयी है। इसके लिए हर वार्ड में 10- 10 एम्बुलेंस तैनात रहेंगी। यह नियम रविवार से लागू होंगे। कमिश्नर आईएस चहल ने इस संबंध में शुक्रवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बैठक की जिसमें बेड आवंटन के लिए यह नियम लागू करने का निर्णय लिया गया। खत्म होगी बेड की किल्लत चहल ने कहा कि इससे बेड का मरीजों को और बेहतर तरीके से आवंटन हो सकेगा। मुंबई में कोरोना मरीजों के लिए बेड का आवंटन BMC के सभी वॉर्डों में बने वॉर रूम के जरिए हो रहा है। इसमें सामान्य बेड, ऑक्सिजन बेड और वेंटिलेटर बेड शामिल है। पिछले कुछ दिनों में मरीजों को बेड मिलने में मुश्किल हुई है। इसको देखते हुए बेड आवंटन की प्रणाली में यह बदलाव किया गया है। मेडिकल टीम सुबह 7 बजे से रात 11 बजे तक घर पर जाकर मरीजों की जांच करेगी। रात 11 बजे से सुबह 7 बजे तक किसी मरीज को यदि जांच की आवश्यकता होगी तो उसे जंबो केयर सेंटर लाया जाएगा। किसी कारण मेडिकल टीम द्वारा सुझाव देने के बाद भी मरीज को बेड नहीं उपलब्ध हो पाता है तो उसे प्रतीक्षा सूची में डाला जाएगा। कुछ घंटे में बेड खाली होने पर मरीज को बेड उपलब्ध करा दिया जाएगा।

मुंबई में 3685 कोविड बेड अब भी खाली, दूसरी लहर में डेथ रेट सिर्फ 0.03 प्रतिशत

मुंबई, कोरोना के कारण इस महानगर के लिए पिछले कुछ दिन काफी चुनौती भरे रहे हैं। बेड की अनुलब्धता, आईसीयू व वेंटिलेटर की कमी के साथ ही ऑक्सिजन की किल्लत से भी मरीजों को जूझना पड़ा है। तमाम मुश्किलों व चुनौतियों के बावजूद कोरोना की दूसरी लहर का सामना कर रही मुंबई में स्थिति नियंत्रण में है। बीएमसी कमिश्नर आई.एस. चहल ने कहा कि मुंबई में 87 प्रतिशत असिम्प्टोमेटिक मरीज हैं। साथ ही डेथ रेट भी कम है। मुंबई में दूसरी लहर को आए 70 दिन हो गए, इस दौरान महानगर में कोरोना डेथ रेट सिर्फ 0.03 प्रतिशत रही है, जो कि बड़ी राहत की बात है। चहल ने कहा कि प्रतिदिन आठ से दस हजार मरीज मिलने के बावजूद मुंबई में 3685 कोविड बेड अब भी खाली हैं। ऑक्सिजन की कमी भी जल्द दूर हो जाएगी। जल्द ही मुंबई को 500 टन ऑक्सिजन की आपूर्ति हो जाएगी। चहल ने कहा कि मुंबई में 10 फरवरी को कोरोना से मरने वालों की संख्या 11,400 थी, जो 18 अप्रैल को बढ़कर 12,347 हो गई। यानी इस दौरान 953 लोगों की मौत हुई। इस तरह इस अवधि में कोरोना की डेथ रेट सिर्फ 0.03 प्रतिशत (13.6 मौत प्रतिदिन) रही, जबकि इन 70 दिनों में 2.66 लाख लोग कोरोना से पॉजिटिव हुए।

मुंबई में लगेंगे हवा से ऑक्सिजन बनाने वाले प्लांट, BMC ने शुरू की तैयारी

मुंबई, मुंबई में बढ़ते कोरोना के संकट के बाद शुरू हुई ऑक्सिजन की किल्लत को खत्म करने के लिए बीएमसी ने अब नया कदम उठाया है। जिसके मुताबिक बीएमसी अब उनके अस्पतालों में हवा से ऑक्सिजन बनाने वाले प्लांट लगाएगी। फिलहाल 12 अस्पतालों में 16 प्लांट स्थापित करने की योजना है। टेंडर की प्रक्रिया पूरी होने के एक महीने के भीतर इस प्रोजेक्ट को पूरा किया जाएगा। इन 16 प्लांट के जरिये प्रतिदिन 43 मीट्रिक टन ऑक्सिजन का उत्पादन किया जाएगा। बीएमसी से इस परियोजना के लिए तकरीबन 90 करोड़ रुपये खर्च करेगी। 15 साल तक चलेगा प्लांट एक बार ऑक्सिजन प्लांट शुरू होने के बाद इसे अगले 15 सालों तक चलाया जा सकेगा। खास बात यह है कि एक जंबो सिलेंडर में आने वाली ऑक्सिजन की कीमत की तुलना में इसकी लागत आधी होगी। घर-घर कोरोना मरीजों की जांच मुंबई से कोरोना को ख़त्म करने के लिए बीएमसी ने कमर कस ली है। अब महानगरपालिका के कर्मचारी घर-घर कोरोना मरीजों की जांच करेंगे। वहीं शहर में कोरोना मरीजों के इलाज के लिए बेड की किल्लत को दूर करने के लिए भी बीएमसी ने रास्ता ढूंढ लिया है। अब कोरोना पॉजिटिव मरीजों के घर जाकर मेडिकल टीम जांच करेगी। उसके बाद तय किया जाएगा कि मरीज को अस्पताल में एडमिट करने और बेड की आवश्यकता है या नहीं। यह काम वॉर्ड वॉर रूम और मेडिकल टीम के समन्वय से किया जाएगा। घर- घर जाकर जांच करने के लिए हर वॉर्ड में 10- 10 की टीम बनाई गयी है। इसके लिए हर वार्ड में 10- 10 एम्बुलेंस तैनात रहेंगी। यह नियम रविवार से लागू होंगे। कमिश्नर आईएस चहल ने इस संबंध में शुक्रवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बैठक की जिसमें बेड आवंटन के लिए यह नियम लागू करने का निर्णय लिया गया।

खत्म होगी बेड की किल्लत

चहल ने कहा कि इससे बेड का मरीजों को और बेहतर तरीके से आवंटन हो सकेगा। मुंबई में कोरोना मरीजों के लिए बेड का आवंटन BMC के सभी वॉर्डों में बने वॉर रूम के जरिए हो रहा है। इसमें सामान्य बेड, ऑक्सिजन बेड और वेंटिलेटर बेड शामिल है। पिछले कुछ दिनों में मरीजों को बेड मिलने में मुश्किल हुई है।

खर्राटे दूर भगाने में मददगार योग और घरेलू नुस्खे

आप भले ही ये सोचे कि जो व्यक्ति खर्राटे ले रहा है उसे तो कोई दिक्कत नहीं हो रही और उसकी वजह से आसपास सो रहे लोगों की नींद खराब हो रही है। लेकिन शायद आप ये नहीं जानते कि खर्राटे लेना (हदीग्हु), खराब सेहत और बीमारी का संकेत हो सकता है। नैशनल स्लीप फाउंडेशन की मानें तो हर 3 में से 1 पुरुष और 4 में से 1 महिला हर रात खर्राटे लेते हैं। अगर आप भी अपने पार्टनर के खर्राटों से परेशान हैं तो उनसे नाराज होने की बजाए उन्हें योग करने की सलाह दें और कुछ घरेलू उपायों को आजमाएं जिससे पार्टनर की खर्राटों की दिक्कत हो जाएगी दूर।

आखिर क्यों आते हैं खर्राटे

खर्राटे तब आते हैं जब कोई व्यक्ति सोते वक्त सांस लेने के दौरान नाक से अजीब-अजीब सी आवाजें निकालने लगता है। ये आवाजें सांस लेने के दौरान होने वाली रुकावटों की आवाज होती है। मुंह, नाक और कंठ में मौजूद टीशू और पैलेट के वाइब्रेशन से ये आवाजें निकलती है। नींद में सोते वक्त अगर सांस लेने के दौरान एयरफ्लो में किसी तरह की रुकावट आती है नाक और कंठ में मौजूद टीशू में वाइब्रेशन होने लगता है जिससे खर्राटे आने लगते हैं। कुछ लोग खर्राटे तो लेते हैं लेकिन उसकी आवाज बहुत धीमी होती है वहीं, कुछ लोगों के खर्राटों की आवाज इतनी तेज होती है कि उसे दूसरे कमरे तक सुना जा सकता है।

योग से दूर होंगे खर्राटे

खर्राटों को दूर करने के लिए बाजार में मिलने वाले अजीबोगरीब गैजट्स या मास्क लगाकर अनकम्फर्टेबल फील करने की बजाए रोजाना योग करना शुरू कर दें। हम आपको बता रहे हैं योग के उन आसनों के बारे में जिससे फेफड़ों की क्षमता बेहतर बनेगी, ब्रीदिंग स्मूथ हो जाएगी और खर्राटों की भी दूर होगी।

भुजंगासन या कोबरा पोज

खर्राटों की समस्साय दूर करने के लिए सबसे बेस्ट योगासन है भुजंगासन। इस आसन को करने के दौरान व्यक्ति का चेस्ट यानी सीना पूरी तरह से खुल जाता है। इस पॉस्चर में हमारे फेफड़े

क्लियर हो जाते हैं और वायु मार्ग भी क्लीन और फ्री हो जाता है जिससे खर्राटे लेने की आशंका कम हो जाती है। साथ ही साथ इस योगासन को करने से शरीर में ऑक्सिजन और ब्लड फ्लो भी रेग्युलेट होता है जिससे आपकी ब्रीदिंग और शरीर के बाकी फंक्शन्स भी बेहतर तरीके से काम करने लगते हैं।

धनुरासन या बो पोज

भुजंगासन की ही तरह इस योगासन में भी आपका सीना, कंधा और गला पूरी तरह से खुल जाता है जिससे आप और ज्यादा गहरी सांस लेने लगते हैं जिससे सांस लेने और छोड़ने के दौरान कंठ में किसी तरह की रुकावट नहीं होती और खर्राटे भी नहीं आते। हालांकि धनुरासन को करने के लिए बहुत सारे प्रैक्टिस की जरूरत है। लिहाजा किसी योगा एक्सपर्ट की देखरेख में ही इसे करें।

भ्रामरी प्राणायाम

योग के ये आसन मुख्य तौर पर एक ब्रीदिंग टेक्नीक है जिसे कोई भी बड़ी आसानी से कर सकता है। इस आसन को करने से शरीर और मन दोनों शांत होता है और ऐंग्जाइटी कम होती है। इस ब्रीदिंग आसन को करने से शरीर में हाई ब्लड प्रेशर की दिक्कत कम होती है जिससे खर्राटों की दिक्कत दूर होती है और कई बार रात में अगर अचानक नींद टूटने की परेशानी हो तो वो भी दूर हो जाती है।

घरेलू नुस्खे भी आएंगे काम- अदरक और शहद

अदरक ऐंटी-इन्फ्लेमेट्री और ऐंटी-बैक्टीरियल प्रॉपर्टी से भरपूर होता है जो सलाइवा (थूक) के स्त्राव को बढ़ाता है जिससे कंठ और गले को राहत मिलती है और खर्राटे नहीं आते।

दादी-नानी के इन 5 घरेलू नुस्खों को डॉक्टर भी मानते हैं अचूक

सोनल झालावाड़िया

रोजाना दिन में 2 बार अदरक और शहद की चाय पीने से खर्राटों की दिक्कत दूर हो सकती है।

लहसुन,प्याज और मूली खाएं

लहसुन, प्याज और मूली जैसे स्ट्रॉन्ग अरोमा वाले फूड खाने से लंग्स में कंजेशन की दिक्कत कम होती है और नाक के सूखने की समस्या भी नहीं होती। इन चीजों को खाने से टॉन्सिल में सूजन भी नहीं होता।

रात में सोने से पहले अगर आप इन्हें चबा लें तो खर्राटों की दिक्कत नहीं होगी।

अनानास, केला और संतरा

खर्राटों से छुटकारा पाने का एक और बेस्ट तरीका यही है कि आप अपनी नींद की क्वॉलिटी को बेहतर बनाएं और इसके लिए शरीर में मेलाटॉनिन की मात्रा बढ़ाने की जरूरत होती है। मेलाटॉनिन ही वो हॉर्मोन है जो हमें सोने में मदद करता है। ऐसे में अनानास, केला और संतरा जैसी चीजों का सेवन करें जिसमें मेलाटॉनिन कॉन्टेंट बहुत ज्यादा होता है। जब नींद अच्छी आएगी तो खर्राटे अपने आप ही बंद हो जाएंगे।

आप भी इस बात को मानते हैं ना कि जब सर्दी-जुकाम और तेज सिरदर्द हो रहा हो तो तुलसी का काढ़ा या तुलसी की चाय पीने से कितना आराम मिलता है। अगर कहीं चोट लगी हो तो हल्दी वाला दूध पीने से दर्द में राहत मिलती है। शहद और अदरक का सेवन करने से खांसी की समस्या दूर हो जाती है। ये कुछ ऐसे बेहद कॉमन घरेलू नुस्खे हैं जिनका इस्तेमाल हम सब सालों से करते आ रहे हैं और हम सबकी दादी-नानी भी तबीयत खराब होने पर तुरंत ऐलोपथी दवा लेने की बजाए इन नुस्खों को अपनाने और इन पर भरोसा करने की सलाह देती थीं। लेकिन आपको बता दें कि कुछ कॉमन घरेलू नुस्खे ऐसे हैं जिन्हें डॉक्टर भी कारगर मानते हैं।

इन घरेलू नुस्खों का नहीं है कोई साइड इफेक्ट

मुंबई के हिंदूजा हॉस्पिटल के जनरल फिजिशन डॉक्टर अनिल बलानी कहते हैं, घरेलू नुस्खे जिसमें सिंपल चीजें जैसे- शहद, फल, नैचरल ऑइल और जड़ी बूटियों का इस्तेमाल होता है वे सर्दी-खांसी जैसी कॉमन बीमारियों को दूर कर सकते हैं और अच्छी बात ये है कि इनका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं है। हालांकि इन नुस्खों का इस्तेमाल करते वक्त अपने विवेक का इस्तेमाल करें क्योंकि किसी भी चीज की अति बुरी होती है। धीरे-धीरे इन नुस्खों को लेकर लोगों के बीच भी जागरुकता बढ़ रही है और बहुत से घरेलू नुस्खे ऐसे भी हैं जिन्हें साइंस भी मानता है। ऐसे 5 कॉमन दादी मां के घरेलू नुस्खों के बारे में हम आपको बता रहे हैं।

नुस्खा- पेटदर्द दूर करने के लिए नींबू के रस में सेंधा नमक डालकर पिएं

नैचरल मिनरल्स से भरपूर सेंधा नमक, नमक का सबसे शुद्ध रूप है और यह सफेद नमक से कई गुना बेहतर होता है और यह पाचन को बेहतर बनाने में मदद करता है। ऐसे में सेंधा नमक को नींबू के रस के साथ मिलाकर पीने से गैस की समस्या दूर होती है, डकार आते हैं और गैस पास करने में मदद मिलती है। साथ ही अगर ब्लोटिंग यानी पेट फूलने की समस्या हो तो वो भी इस नुस्खे से दूर हो जाती है।

सावधानी बरतें- हार्ट और ब्लड प्रेशर के मरीजों को इस नुस्खे को अपनाने से परहेज करना चाहिए

क्योंकि ऐसे मरीजों को नमक कम खाने की सलाह दी जाती है।

नुस्खा- दर्द और बॉडी पेन दूर कर इम्यूनिटी बढ़ाता है हल्दी वाला दूध

हल्दी को दूध में उबालकर पीना एक बेहतरीन कॉम्बिनेशन है क्योंकि दूध प्रोटीन का बेस्ट सोर्स है जो घाव को भरने में मदद करता है और हल्दी में ऐंटी-इन्फ्लेमेट्री प्रॉपर्टीज होती हैं जो मसल्स में सूजन और जलन में राहत दिलाती हैं। हल्दी में कर्क्यूमिन भी होता है जो की एक स्ट्रॉन्ग ऐंटिऑक्सिडेंट है जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद करता है।

सावधानी बरतें- हल्दी वाले दूध को आप इलाज का सब्सिट्यूट नहीं मान सकते। अगर कोई ऐसी चोट या समस्या है जिसमें इलाज कराने और दवा खाने की जरूरत है तो उससे परहेज ना करें। आप दवा के साथ हल्दी वाला दूध पीना जारी रख सकते हैं।

नुस्खा- शहद और अदरक से कफ होगा दूर

अदरक को पानी में उबालकर और फिर शहद के साथ खाया जाए तो यह कफ, गले में खराश और गला खराब होने की दिक्कत की बेस्ट रेमेडी है। वैसे भी अदरक को कफ को दबाने के लिए जाना जाता है। साथ ही इसमें ऐंटिऑक्सिडेंट भी होता है जो बीमारी से राहत दिलाता है। अदरक को शहद के साथ खाने से गले और कंठ में होने वाली सूजन और जलन में राहत मिलती है। सावधानी बरतें- डायबीटीज के मरीज शहद की कितनी मात्रा का सेवन कर रहे हैं इसे लेकर सावधान रहें क्योंकि इससे उनका शुगर लेवल प्रभावित हो सकता है।

नुस्खा- फ्लू और कॉमन कोल्ड दूर करने के लिए पिएं सूप

कॉमन कोल्ड और फ्लू में ऐंटिबायॉटिक्स असरदार नहीं होती क्योंकि ये वायरस से होने वाली बीमारी है और कॉमन कोल्ड को तुरंत दवा खाकर ठीक नहीं किया जा सकता बल्कि

संजय शर्मा

इलाज के जरिए सिर्फ कम किया जा सकता है। ऐसे में गर्मा गर्म सूप आपको कॉमन कोल्ड से राहत दिलाता है। सूप पीने से बंद नाक और गला खुल जाता है, कंठ में जो इरिटेशन हो रही होती है उसमें आराम मिलता है और कंजेशन भी कम होता है। साथ ही शरीर भी हाइड्रेट होता है जिससे जल्दी रिकवर करने में मदद मिलती है। सावधानी- सूप पीने से आपको फ्लू और कॉमन कोल्ड में अस्थायी रूप से और कुछ समय के लिए आराम मिलता है लेकिन अगर 36 घंटे से ज्यादा समय तक लक्षणों में कोई कमी न आए तो डॉक्टर से संपर्क करें।

नुस्खा- माइग्रेन और ऐंग्जाइटी के लिए लैवेंडर ऑइल

सिरदर्द हो रहा हो, माइग्रेट का अटैक हो, बेचैनी या चिंता महसूस हो रही हो तो इस तरह के मौकों पर लैवेंडर को सूंघने से आपकी तकलीफ कुछ कम हो सकती है।

स्टडीज में भी यह बात साबित हो चुकी है कि लैवेंडर की चाय पीने से या फिर लैवेंडर ऑइल की कुछ बूंदों को रुमाल या टीशू पेपर पर डालकर सूंघने से ऐंग्जाइटी कम होती है, दिमाग और शरीर रिलैक्स होता है और स्ट्रेस लेवल में भी कमी आती है।

बहुत तेज भूख लगी हो तो बिल्कुल नहीं खानी चाहिए ये 5 चीजें, जानें क्यों है ऐसा

जब हमें बहुत तेज भूख लगी होती है तो हम जल्दी से कुछ खा लेना चाहते हैं। क्योंकि भूख का असर ही ऐसा होता है कि हमारा दिमाग काम करना बंद कर देता है और हमारा फोकस सिर्फ खाने पर होता है। लेकिन भूख की इस हालत में भी इस बात का पूरा ध्यान रखना चाहिए कि आपको क्या नहीं खाना है... क्योंकि कुछ चीजें हेल्दी होते हुए भी खाली पेट खाने पर फायदा पहुंचाने की जगह नुकसान पहुंचा सकती हैं। यहां जानें उन चीजों की डिटेल और परेशानी पहुंचाने के कारण।

पहले समझें खाली पेट की कंडीशन

ज्यादातर लोगों को खाली पेट की स्थिति को लेकर कंफ्यूजन होता है। आखिर खाली पेट कौन सी कंडीशन होती है...जब हमें बहुत तेज भूख लगी हो या जब हमने सुबह से कुछ नहीं खाया हो? बता दें खाली पेट का अर्थ आपके दिन की शुरुआत के फर्स्ट मील से होता है। यानी इससे पहले आपने कुछ नहीं खाया है।

अमरूद की टाइमिंग

अमरूद एक ऐसा फल है, जिसे अलग-अलग स्थितियों में खाने पर अलग-अलग परिणाम देखने को मिलते हैं। यानी अगर आप सर्दियों में सुबह के वक्त खाली पेट अमरूद खाएंगे तो आपको पेट दर्द की शिकायत हो सकती है। वहीं, गर्मी में खाली पेट अमरूद खाएंगे तो यह फायदा देता है।

यहां भी है कंडीशन अप्लाइड

अमरूद खाते समय मौसम के साथ ही इस बात का भी ध्यान रखना होता है कि अमरूद खाने के बाद कभी भी पानी नहीं पीना चाहिए नहीं तो पेट दर्द या अपच की समस्या हो सकती है। हालांकि किसी भी फल को खाने के तुरंत बाद पानी नहीं पीना चाहिए।

सेब का समय से सरोकार

सर्दियों में खाली पेट सेब खाने से बीपी बढ़ सकता है। अगर सुबह सबसे पहले यानी बिना कुछ खाए आप सेब खा लेते हैं तो इस दिक्कत का सामना आपको करना पड़ सकता है। लेकिन गर्मी में आप खाली पेट सेब खा सकते हैं। इस वक्त आपको इस बात का खास ध्यान रखना होगा कि आपके पेट और सीने पर तेज जलन ना हो रही हो।

दही का दौर

मौसम वाली कंडीशन दही पर भी अप्लाई होती है। ठंड के मौसम में खाली पेट दही बिल्कुल नहीं खानी चाहिए। लेकिन गर्मी के मौसम में आप ऐसा कर सकते हैं। कुछ लोगों का मानना है कि खाली पेट दही खाने से नींद आती है या बीपी लो हो जाता है। तो आप पूरी तरह सही नहीं है।

क्या है पूरी बात?

इस बारे में हम कहना चाहेंगे कि गर्मी के मौसम में खाली पेट दही खाने के बाद अगर किसी को बीपी लो की दिक्कत हो रही है तो इसका अर्थ यह है कि उनका बीपी पहले से ही लो था और दही खाने के बाद यह समस्या उभरकर सामने आ गई है। वहीं अगर किसी को दही खाने के बाद नींद आ रही है तो इसका अर्थ है कि उनका पाचनतंत्र बहुत धीमे काम कर रहा है और पाचन क्रिया सही नहीं है।

टमाटर का टेस्ट

जहां तक बात खाली पेट टमाटर खाने की है तो टमाटर तासीर से गर्म होता है। इसे आप सर्दी के मौसम में तो खाली पेट खा सकते हैं लेकिन गर्मी के मौसम में ऐसा करने पर पेट में या सीने में जलन की समस्या हो सकती है।

इस बात का रखें ध्यान

सर्दी के मौसम में हर रोज खाली पेट टमाटर खाने या टमाटर का जूस पीने से बहुत अधिक बाल झड़ने की समस्या हो सकती है। इसलिए जरूरत होने पर या कभी-कभी टेस्ट चेंज करने के लिए तो आप खाली पेट टमाटर खा सकते हैं या इसका सूप, जूस पी सकते हैं। लेकिन इसका नियम ना बनाएं।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : नए सप्ताह में मेष राशि वालों की मानसिक स्थिति थोड़ी विचलित रहेगी। किसी अनजाने भय से ग्रस्त रहेंगे। इससे स्वभाव में चिड़चिड़ापन आएगा। आर्थिक स्थिति कमजोर रहने के कारण कर्ज चुकाने में मुश्किलें आएंगी, लेकिन हिम्मत से काम लें। आप अपनी और परिवार वालों की सेहत का ध्यान रखें। परिवार का सपोर्ट मिलेगा।

वृषभ : आपके लिए यह सप्ताह थोड़ा उठापटक वाला रह सकता है। खासकर स्वास्थ्य को लेकर कोई दिक्कत आ सकती है। दमा और फेफड़े संबंधी रोगियों को विशेष ध्यान रखने की आवश्यकता है। इंजीनियरिंग और मेडिकल फील्ड से जुड़े लोगों के लिए समय चुनौतीपूर्ण है। पारिवारिक स्थिति में समय अनुकूल है।

मिथुन : सप्ताह में मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत और स्वस्थ महसूस करेंगे। शुरुआती दो दिनों उमंग और उत्साह में बीतेंगे। परिजनों के साथ अच्छा सामंजस्य बना रहेगा। बचत करना इस समय आपके लिए काम आ रहा है। विद्यार्थियों को घर में ही रहकर अधिक मेहनत करने का वक्त है।

कर्क : मानसिक स्थिति तनावपूर्ण रहने के बावजूद आप अपने कार्यों को सफलतापूर्वक पूर्ण कर पाएंगे। जीवनसाथी के साथ पहले से जो मतभेद चल रहे हैं वे इस सप्ताह और बढ़ेंगे। संतानपक्ष के कार्य आपको परेशान करेंगे। आर्थिक स्थिति डावाडोल रहने के कारण तनाव रहेगा। कर्ज लेने की नौबत आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

सिंह : पुरानी बीमारियों में जबर्दस्त तरीके से सुधार आएगा। बीमारियों पर हो रहे खर्च में भी कमी आएगी। परिवार के साथ अच्छा वक्त बिताएंगे। बिगड़े संबंध सुधरेंगे। पुराने मित्र जो किसी वजह से छूट गए थे उनसे फिर से बात शुरू होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। बचत का पैसा बुरे वक्त में काम आएगा। नौकरीपेशा लोगों को तनाव रहेगा।

कन्या : आपके लिए यह सप्ताह सामान्य और ठहराव वाला रहेगा। कोई विशेष कार्य नहीं होगा, लेकिन मानसिक रूप से शांति महसूस करेंगे। इस सप्ताह रोग भी आपको परेशान नहीं करेंगे। कारोबारियों को काम चलाने के लिए बड़ी मशक्कत करना पड़ेगी। नौकरीपेशा को अपनी सेहत का खास ध्यान रखना होगा। अविवाहितों का विवाह अभी टलता रहेगा।

तुला : आपको इस सप्ताह बहुत संभलकर चलना होगा। पारिवारिक जीवन में किसी से विवाद हो सकता है। इसका विपरीत असर आपकी सेहत पर पड़ेगा। इसलिए कोशिश करें कि विवादों से बचें। हृदय और ब्लडप्रेशर के रोगियों को विशेष सावधानी रखना होगी। पैसों की आवक कम जरूर होगी लेकिन आप कम संसाधनों में अपना काम चला लेंगे।

वृश्चिक : आर्थिक संकट इस सप्ताह बना रहेगा। पैसों की आवक कम होने के कारण मानसिक तनाव होगा और लोन की किस्त चुकाने में परेशानी आएगी। नौकरीपेशा और व्यापारी, दोनों ही वर्ग के लोग इस सप्ताह परेशान रहेंगे। विद्यार्थियों को इस सप्ताह अपनी पढ़ाई पर ध्यान देने की जरूरत है।

धनु : सप्ताह मिलाजुला रहेगा। आर्थिक संकट बरकरार है, लेकिन काम कोई नहीं रूकेगा। पारिवारिक स्थिति में सामंजस्य और तालमेल बना रहेगा और परिजनों के साथ अच्छा वक्त बिताएंगे। इस सप्ताह थोड़ा मानसिक सुकून भी रहेगा। स्वास्थ्य में सुधार आएगा लेकिन सावधानी रखने की आवश्यकता है।

मकर : आपके लिए समय अनुकूल है, लेकिन फिर भी प्रत्येक कार्य में सावधानी रखना होगी। मेडिकल फील्ड से जुड़े लोगों पर अत्यधिक कार्यभार रहेगा। कारोबारियों को भविष्य में अपने कार्य में बदलाव या विस्तार की योजनाओं पर अभी से काम शुरू कर देना चाहिए। आने वाला समय चुनौतीपूर्ण है। पारिवारिक स्थिति सामान्य रहेगी।

कुंभ : आपको परिजनों के साथ तालमेल बनाकर चलना होगा। किसी भी बात का अधिक तनाव ना लें और जो भी परिस्थिति आए संयम से काम लें। शारीरिक स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। पेट संबंधी रोग परेशान करेंगे इसलिए खानपान में सावधानी बरतें। विद्यार्थियों को पढ़ाई में कड़ी मेहनत करना होगी।

मीन : मीन राशि के लिए समय सामान्य है। परिस्थितियां आपके अनुकूल भी हैं, लेकिन फिर भी प्रत्येक कार्य में सावधानी रखें। किसी पर भरोसा करना महंगा पड़ सकता है। मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ महसूस करेंगे। स्वजनों के साथ अच्छा वक्त बीतेगा। नाते-रिश्तेदारों से बात होगी।

चुटकुले

चाहे कितने ही महंगे हॉस्पिटल क्यों ना चले जाओ.....डॉक्टर को दिखाने के लिए तो स्टूल पर ही बैठना पड़ेगा।

जो खुद गुलाब है, उसे क्या गुलाब दूं.....ऐसा बोलकर रोज डे पर पति ने 50 रुपये बचा लिए।

जिन जिनकी गर्लफ्रेंड है, उन सबको हैपी रोज़ डे.....और जो सिंगल हैं, भगवान उनके लिए खोज दे।

पप्पू अपनी मां के साथ रेस्ट्रॉन्ट खाना खाने गया। वहां एक आदमी सिगरेट पी रहा था।
पप्पू: आप सिगरेट बाहर जाकर पी लीजिए। मेरी ममी मेरे साथ है।
शख्स: ...तो क्या हुआ?
पप्पू: ...तो मेरा भी मन पीने का हो रहा है।

राज्यों से बोला केंद्र- ऑक्सीजन टैंकर को एंबुलेंस समझें, आवागमन के लिए कॉरिडोर बनाएं

कोविड-19 संक्रमण के तेजी से बढ़ते मामलों के बीच कई राज्यों में चिकित्सीय ऑक्सीजन की कमी के मद्देनजर केंद्र सरकार सिंगापुर और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से ऑक्सीजन ले जाने में सक्षम उच्च क्षमता वाले टैंकर आयात करने के लिए बातचीत कर रही है और उसने राज्यों को बंद हो चुके संयंत्रों को ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ाने के लिए फिर से चालू करने का निर्देश दिया।

गृह मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देश में कोरोना वायरस संबंधी हालात की समीक्षा की, जिसके बाद यह कदम उठाया गया। केंद्र ने अलग-अलग लिखे पत्रों में सभी राज्यों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने अधिकार क्षेत्रों में ऑक्सीजन उत्पादन करने वाले संयंत्रों की सूची तैयार करें और ऑक्सीजन की निर्बाध आपूर्ति एवं आवागमन सुनिश्चित करें।

बयान में कहा गया कि चिकित्सकीय ऑक्सीजन के आवागमन के लिए अतिरिक्त टैंकर उपलब्ध कराने के मकसद से गृह मंत्रालय भारतीय वायुसेना के मालवाहक विमानों के जरिए सिंगापुर एवं संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) समेत विदेशों से उच्च क्षमता वाले टैंकर लाने के लिए समन्वय स्थापित कर रहा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्यों को लिखे पत्र में कहा कि ऑक्सीजन ले जाने वाले वाहनों को रोके जाने की घटनाएं अब भी सामने आ रही हैं। उसने राज्यों को निर्देश दिया कि स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति और आवागमन सुनिश्चित किया जाए।

अमित शाह ने हालात की समीक्षा की बयान के अनुसार, शाह ने देश में कोरोनो वायरस संबंधी हालात की शुक्रवार को समीक्षा की, जिसमें उन्होंने चिकित्सीय कार्यों के लिए ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ाने के सुझाव दिए। बयान में कहा गया है कि गृह मंत्रालय विशेषज्ञ समूह उपचाराधीन संक्रमित मरीजों को ध्यान में रखते हुए और चिकित्सीय ऑक्सीजन के पहुंचने का समय कम करने के लिए विभिन्न राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों में ऑक्सीजन का आवंटन तर्कसंगत तरीके से कर रहा है।

ऑक्सीजन वाहनों के लिए कॉरिडोर बनाए

केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने भी सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को लिखे एक पत्र में कहा कि वे ऑक्सीजन लाने-ले जाने वाले वाहनों की पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित करें और उन्हें एंबुलेंस की तरह समझते हुए उनके आवागमन के लिए विशेष गलियारों का प्रावधान करें। भल्ला ने कहा कि देश के कई जिलों में ऑक्सीजन उत्पादन करने वाले संयंत्र हैं और सभी का उत्पादन चिकित्सीय मकसद से नहीं होता। उन्होंने कहा कि इन केंद्रों का इस्तेमाल स्थानीय अस्पतालों को ऑक्सीजन की आपूर्ति करने में किया जा सकता है। बंद संयंत्र को चालू करने कमद उठाएं

भल्ला ने कहा कि कुछ संयंत्र बंद हो चुके हैं, उनकी सूची बनाई जानी चाहिए और उन्हें फिर से चालू करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिए। गृह सचिव ने सभी राज्यों से केंद्र के सुझावों पर तत्काल कदम उठाने और गृह मंत्रालय को उठाए गए कदमों संबंधी रिपोर्ट और स्थिति रिपोर्ट भेजने की अपील की।

कोरोना को लेकर नई रिसर्च ने बढ़ाई टेंशन, ठीक हो चुके लोगों में मौत और गंभीर बीमारी का खतरा

कोविड-19 से ठीक हो चुके लोगों में वायरस का पता चलने के बाद के छह महीनों में मौत का जोखिम ज्यादा रहता है।

इनमें वह लोग भी हो सकते हैं जिन्हें कोराना से संक्रमित होने के बाद भर्ती करने की जरूरत न पड़ी हो। यह जानकारी कोविड-19 के बारे में अब तक के सबसे व्यापक अध्ययन में सामने आई है। नेचर पत्रिका में गुरुवार को प्रकाशित शोध में अध्ययनकर्ताओं ने बताया कि यह सामने आया कि आने वाले सालों में दुनिया की आबादी पर इस बीमारी से बड़ा बोझ पड़ने वाला है। अमेरिका में वाशिंगटन विश्वविद्याल में स्कूल ऑफ मेडिसिन के अध्ययनकर्ताओं ने ने कोविड-19 से संबद्ध विभिन्न बीमारियों की एक सूची भी उपलब्ध कराई है जिससे महामीर के कारण लंबे समय में होने वाले परेशानियों की एक बड़ी तस्वीर भी उभरती है। उन्होंने पुष्टि की कि शुरू में महज सांस के रोग से जुड़े एक विषाणु के तौर पर सामने आने के बावजूद दीर्घकाल में कोविड-19 शरीर के लगभग हर अंग-तंत्र को प्रभावित कर सकता है। इस अध्ययन में करीब 87000 कोविड-19 मरीज और करीब 50 लाख अन्य मरीजों को शामिल किया गया जो इससे उबर चुके थे।

यूपी में कोरोना से हाहाकार: लखनऊ से भाजपा विधायक सुरेश चंद्र श्रीवास्तव का निधन, एक ही दिन में दूसरे एमएलए की जान गई

उत्तर प्रदेश में कोरोना से हाहाकार मचा हुआ है। शुक्रवार को एक तरफ रिकार्ड तोड़ संक्रमित मिले और एक दिन में सबसे ज्यादा मौतें हुईं तो दूसरी तरफ भाजपा के दो विधायकों का भी कोरोना से निधन हो गया। सुबह औरैया सदर से भाजपा विधायक रमेश दिवाकर की मौत हो गई। देर शाम राजधानी लखनऊ में पश्चिम क्षेत्र के भाजपा विधायक सुरेश चन्द्र श्रीवास्तव का कोरोना से निधन हो गया है। सुरेश चंद्र श्रीवास्तव संक्रमण की चपेट में आने के बाद से अस्पताल में भर्ती थे।

बताया जा रहा है कि सात दिन से वह वेंटिलेटर पर थे। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने विधायक के निधन पर ट्वीट कर श्रद्धांजलि अर्पित की है। एक दिन में ही भाजपा के दूसरे विधायक का कोरोना से निधन हुआ है। इससे पहले औरैया सदर से भाजपा विधायक रमेश दिवाकर का भी कोरोना से ही निधन हुआ था। सुरेश चंद्र श्रीवास्तव के निधन पर शोक जताते हुए राजनाथ सिंह ने लिखा कि लखनऊ शहर से विधायक एवं उत्तर प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री सुरेश श्रीवास्तव जी के निधन का समाचार बेहद पीड़ादायक है। जनप्रतिनिधि के रूप में उनकी सादगी, सरलता और उनकी कर्मठता अपने आप में एक मिसाल थी। उनके शोकाकुल परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएँ। ॐ शान्ति!इससे पहले औरैया से भाजपा विधायक रमेश दिवाकर (56) का शुक्रवार सुबह मेरठ मेडिकल कॉलेज के कोविड वार्ड में निधन हो गया था। परिजन उनके शव को औरैया ले गए। औरैया में मोहल्ला तिलकनगर निवासी रमेश दिवाकर सदर सीट से भाजपा विधायक थे। पिछले दिनों दिक्कत महसूस होने पर उन्होंने परिवार सहित कोरोना जांच कराई थी। 17 अप्रैल को आई रिपोर्ट में रमेश दिवाकर, उनकी पत्नी और पुत्र कोरोना संक्रमित पाए गए। इसके बाद तीनों उपचार के लिए चिचौली स्थित जिला अस्पताल में भर्ती हुए। हालत बिगड़ने पर बुधवार को उन्हें कानपुर और फिर मेरठ मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया। मेरठ में उपचार के दौरान विधायक की तबीयत और ज्यादा बिगड़ गई। शुक्रवार सुबह करीब सात बजे उनकी मौत हो गई। डॉक्टरों के अनुसार, फेफड़ों तक संक्रमण पहुंच गया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य समेत तमाम नेताओं ने विधायक के निशन पर शोक जताया। शव को अन्य परिजन औरैया ले गए हैं, जबकि पत्नी-बेटे का उपचार चल रहा है।

फ्रांस ने महाराष्ट्र में 6 परमाणु रिएक्टर बनाने के लिए भारत को दिया अंतिम प्रस्ताव, सात करोड़ घर होंगे रौशन

फ्रांसीसी ऊर्जा कंपनी ईडीएफ ने शुक्रवार को कहा कि उसने महाराष्ट्र के जैतापुर में छह परमाणु रिएक्टर बनाने के लिए भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम (एनपीसीआईएल) को अंतिम प्रस्ताव दिया है। ईडीएफ ने कहा है कि रूपरेखा के समझौते पर चर्चा के लिए मंच तैयार किया जा रहा है। परियोजना के विकास को एक प्रमुख कदम बताते हुए फ्रांसीसी राजदूत इमैनुएल लेनिन ने कहा कि फ्रांसीसी ऊर्जा कंपनी EDF ने महाराष्ट्र में छह EPR रिएक्टर बनाने के लिए अपना अंतिम प्रस्ताव पेश कर दिया है। रत्नागिरि जिले के जैतापुर में कुल 9900 मेगावाट क्षमता के छह परमाणु ऊर्जा रियक्टरों के निर्माण के लिए वर्ष 2018 में दोनों पक्षों के बीच 'औद्योगिक आगे की राह तय करने का समझौता होने के बाद एनपीसीआईएल और ईडीएफ के बीच बातचीत में प्रगति हुई।

वहां प्रत्येक परमाणु रिएक्टर 1650 मेगावाट का होगा। फ्रांसीसी राजदूत इमैनुअल लेनिन ने कहा कि यह दुनिया की सबसे बड़ी परमाणु ऊर्जा परियोजना होगी। उन्होंने कहा, दुनिया का सबसे शक्तिशाली संयंत्र सात करोड़ घरों को बिजली देगा, हर साल आठ करोड़ टन कार्बन डाई ऑक्साइड का उत्सर्जन रुकेगा और स्थानीय स्तर पर हजारों नौकरियां तैयार होंगी। जैतापुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र परियोजना में यह मील का पत्थर राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाता है। फ्रांस और भारत साथ मिलकर सुरक्षित, विश्वसनीय, प्रतिस्पर्धी और टिकाऊ ऊर्जा तक पहुंच सुरक्षित करेंगे। तकनीकी-वाणिज्यिक पेशकश के साथ-साथ परियोजना के वित्त पोषण पर बातचीत फिलहाल जारी है। इसके अलावा भारत में विनिर्माण के जरिये स्थानीयकरण बढ़ाने के तरीकों को लेकर दोनों पक्षों के बीच विचार-विमर्श जारी है। ईडीएफ समूह के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी जीन बर्नार्ड लेवी ने कहा, ''यह महत्वपूर्ण मील का पत्थर हमारे भारतीय साझेदार के साथ बने विश्वास और ईडीएफ तथा एनपीसीआईएल के दलों के सहयोग और निरंतर प्रयासों के कारण हासिल हुआ है।

भारत और फ्रांस परमाणु साझेदारी बढ़ाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

मुंबई की पारी का पहला चौका पांचवें ओवर की अंतिम गेंद पर आया जब रोहित ने हेनरिक्स की गेंद को सीमा के पार पहुंचाया।

कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के बीच केरल सरकार ने शुक्रवार को राज्य में लॉकडाउन जैसी पाबंदियां लागू करने का फैसला किया है। केरल में यह पाबंदियां अगले दो दिनों (शनिवार-रविवार) को लागू की जाएंगी। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने यह जानकारी दी है। केरल के सीएम विजयन ने कहा, ''अगले दो दिनों तक लॉकडाउन जैसी सख्ती लागू की जाएगी। सिर्फ जरूरी सेवाओं और इमरजेंसी यात्रा को ही इजाजत होगी। शादी समारोह के लिए इंडोर में 75 और आउटडोर में 150 लोगों के शामिल होने की अनुमति दी जा रही है। अंतिम संस्कार में ज्यादा से ज्यादा 50 लोग ही शामिल हो सकते हैं।'' राज्य में पिछले कई दिनों से लगातार मामले बढ़ते जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को जानकारी दी है कि पिछले 24 घंटों में 28,447 पॉजिटिव नए मामले सामने आए हैं, जबकि इस दौरान 5,663 लोग बीमारी से ठीक हो गए। आज राज्य में 27 लोगों की जान भी चली गई है। कोरोना टेस्टिंग की बात करें तो आज राज्य में 130617 लोगों की जांच करवाइ गई है। अभी तक कुल 11,66,135 लोग बीमारी को मात दे चुके हैं मालूम हो कि देश में कोरोना वायरस की दूसरी लहर ने तबाही मचा रखी है। एक दिन में इतने मामले सामने आ रहे हैं, जितने महामारी की शुरुआत से अभी तक किसी देश में नहीं मिले हैं। पिछले 24 घंटे में देश में 3.32 लाख से ज्यादा कोरोना के नए मामले मिले हैं। इन सबके चलते महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश समेत लगभग सभी राज्यों में कड़ी पाबंदियों को लागू किया जा चुका है।

अयोध्या विवाद में शाहरुख खान से मध्यस्थता कराना चाहते थे CJI बोबडे, एक्टर ने दिया था यह जवाब

अयोध्या विवाद में चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (CJI) एस. ए. बोबडे बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान से मध्यस्थता कराना चाहते थे। यह जानकारी एसए बोबडे के बतौर सीजेआई के कार्यकाल के अंतिम दिन सामने आई है। सुप्रीम कोर्ट के सीनियर एडवोकेट विकास सिंह ने इस बात का शुक्रवार को खुलासा किया। सीजेआई को दिए गए वर्चुअल फेयरवेल में बोलते हुए विकास सिंह ने बताया कि जस्टिस बोबडे ने उनसे शाहरुख खान के लिए इस मामले में मध्यस्थता करने के लिए कहा था। बाद में शाहरुख खान ने इस पर सहमति भी जता दी थी। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के प्रेसिडेंट सिंह ने बताया, ''जब जस्टिस बोबडे अयोध्या मामले में शुरुआती समय में थे, तब भी उनका मत साफ था कि इस मामले को मध्यस्थता से निपटाया जाना चाहिए। चूंकि मैं शाहरुख खान के परिवार को अच्छी तरह से जानता हूं, इसलिए उन्होंने मुझसे पूछा था कि क्या शाहरुख मध्यस्थता के लिए तैयार होंगे अगर उनसे ऐसा करने के लिए कहा जाए?'' सिंह ने बताया कि उन्होंने इस बारे में शाहरुख से बात भी की थी और उन्होंने इसका हिस्सा बनने में रुचि भी दिखाई थी। शाहरुख का मानना था कि यह हिंदुओं और मुस्लिमों को एकसाथ लाने का सबसे अच्छा तरीका है।

SPORTS खेल जगत

IPL 2021- पंजाब किंग्स के खिलाफ लिए गए रोहित शर्मा के इस फैसले पर भड़के वीरेंद्र सहवाग, जमकर लगाई क्लास

चेन्नई के एम चिदंबरम क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए आईपीएल 2021 के 17वें मैच में मुंबई इंडियंस को पंजाब किंग्स के हाथों 9 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। मुंबई के बल्लेबाजों ने एकबार अपने प्रदर्शन से काफी निराश किया। कप्तान रोहित शर्मा और सूर्यकुमार को छोड़कर टीम के अन्य बल्लेबाज क्रीज पर टिक कर नहीं खेल सके। पंजाब के खिलाफ मिली हार के बाद रोहित के ईशान किशन को सूर्यकुमार से ऊपर बैटिंग कराने के फैसले पर भी काफी सवाल उठाए गए। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग भी मुंबई के कैप्टन के इस फैसले से नाखुश दिखाई दिए और उन्होंने रोहित को आड़े हाथों लिया। 'क्रिकबज' के शो पर बात करते हुए सहवाग ने कहा, 'जिस तरह की फॉर्म में सूर्यकुमार हैं, उन्होंने पीछे फिफ्टी जड़ी थी, शायद वह पावरप्ले का ज्यादा सही इस्तेमाल कर पाते। देखिए, वह जल्दी आउट हो जाते, लेकिन उनके चांस ज्यादा बेहतर थे। आप एक ऐसे बल्लेबाज को भेज रहे हैं, जिसने पिछले चार मैचों से रन नहीं बनाए हैं और इस उम्मीद में हैं कि वह रन बना देंगे, लेकिन एक ऐसे खिलाड़ी को डिमोट कर रहे हैं, जिसने आखिरी चार मुकाबलों में से 2-3 मैचों में आपके लिए रन बनाए हैं। जब दो-तीन विकेट जल्दी गिर गए तो उस इन फॉर्म बल्लेबाज के ऊपर प्रेशर बन गया।' पूर्व क्रिकेटर ने आगे कहा, 'यह काफी बेहतर होता अगर उन्होंने सूर्यकुमार को पावरप्ले के अंदर भेजा होता। वह पारी को जरूरी मोमेंटम दे सकते थे। एक ही चीज अच्छी हुई और वह यह कि रोहित और सूर्यकुमार ने 15-16 ओवर तक बल्लेबाजी की। उनको लगा कि उनके बड़े हिटर बल्लेबाज आखिरी के ओवरों में ताबड़तोड़ बैटिंग करेंगे,लेकिन ऐसा हो नहीं सका।' रोहित ने नंबर तीन की पोजिशन पर ईशान किशन को प्रमोट किया था, लेकिन ईशान 17 गेंदों का सामना करने के बाद महज 6 रन ही बना सके थे। नंबर चार पर उतरे सूर्यकुमार ने 27 गेंदों में 33 रनों की इनिंग खेली थी।

आकाश चोपड़ा ने बताया, कैसे जीत की पटरी पर वापस लौट सकती है राजस्थान रॉयल्स की टीम

आईपीएल 2021 में अपनी शुरुआती चार मैचों में से तीन में हार का सामना कर चुकी राजस्थान रॉयल्स की टीम शनिवार (24 अप्रैल) को कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ टूर्नामेंट का अपना पांचवां मुकाबला खेलने मैदान पर उतरेगी। बेन स्टोक्स, लियाम लिविंगस्टोन के बाद जोफ्रा आर्चर भी पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं। पहली बार कप्तानी का भर संभाल रहे संजू सैमसन के लिए दिन-प्रतिदिन चीजें मुश्किलें होती जा रही हैं। इसी बीच, भारत के पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने बताया है कि किस रणनीति के तहत राजस्थान की टीम जीत की पटरी पर वापस लौट सकती है। अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए आकाश ने कहा, 'राजस्थान रॉयल्स के लिए ज्यादा दिक्कतें हैं, क्योंकि उनके पास प्लेयर्स नहीं हैं। अगर उनके पास खिलाड़ी नहीं हैं, तो वह क्या कर सकते हैं, वह सिर्फ अपनी एप्रोच को चेंज कर सकते हैं। राजस्थान की किस्मत सिर्फ पर्सनल बदलावों से नहीं बदलेगी। चीजें तब बदलेंगी, जब उनके बल्लेबाज ज्यादा निरंतरता के साथ खेलेंगे नहीं तो मुझे लगता है कि वह बहुत संघर्ष करेंगे। उनको जोस (जोस बटलर) से इस बार ज्यादा रन बनाने के लिए कहना चाहिए। संजू सैमसन को रन बनाने होंगे, क्योंकि पिछले तीन सालों से आपका शुरुआती तीन मैचों में एवरेज 70 और स्ट्राइक रेट 150 का रहता है, लेकिन चौथे मुकाबले से वह गिरकर 22 पर आ जाता है और स्ट्राइक रेट 130 पर। यह लगातार हर साल नहीं होना चाहिए।' पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि राजस्थान के बाकी बल्लेबाजों को भी अपनी जिम्मेदारी लेनी होगी। उन्होंने कहा, 'डेविड मिलर को रन बनाने होंगे। रियान पराग सारे मुकाबले खेल रहे हैं और इस युवा खिलाड़ी को अब बड़ा होना होगा। राहुल तेवतिया को अपना योगदान देना होगा। शिवम दुबे को वैसे खेलना होगा जैसा उन्होंने खेला और इसको बड़ी पारी में बदलना होगा। टीम को एक बदलाव करते हुए मनन वोहरा की जगह पर यशस्वी जयसवाल को प्लेइंग इलेवन में शामिल करना चाहिए।' राजस्थान को अपने आखिरी मैच

IPL 2021 RR vs KKR- कोलकाता के खिलाफ इस खिलाड़ी को मौका दे सकती है राजस्थान, ऐसी हो सकती है दोनों टीमों की प्लेइंग XI

आईपीएल 2021 का 18 वां मुकाबला शनिवार को राजस्थान रॉयल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेला जाएगा। ये मैच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में आज शाम 7.30 बजे से खेला जाएगा। कोलकाता की टीम लगातार अपने तीन मुकाबले हार चुकी है, जबकि राजस्थान को लगातार दो मैचों में हार मिली है। केकेआर प्वॉइंट टेबल में सातवे नंबर है। वहीं राजस्थान रॉयल्स प्वॉइंट टेबल में आखिरी स्थान पर है। ऐसे में दोनों टीमों की कोशिश होगी कि वो आज का मुकाबला जीतकर प्वाइंट टेबल में अपनी स्थिति मजबूत करें।

राजस्थान रॉयल्स की प्लेइंग इलेवन की बात करें तो आज के मुकाबले में राजस्थान कुछ बदलाव कर सकती है। पंजाब मनन वोहरा की जगह यशस्वी जायसवाल को प्लेइंग इलेवन में जगह दे सकती है। टीम की तरफ से सलामी बल्लेबाज के तौर पर यशस्वी जायसवाल जोस बोटलर के साथ नजर आ सकते हैं। संजू सैमसन तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरेंगे। उनसे टीम को काफी उम्मीदें होंगी।शिवम दुबे, डेविड मिलर, रियान पराग, राहुल तेवतिया को प्लेइंग इलेवन में जगह मिल सकती है। क्रिस मौरिस की जगह टीम में तय हैं। वहीं मुस्तफिजुर रहमाम की जगह एंड्रयू टाय को जगह मिल सकती है। केकेआर के प्लेइंग इलेवन की बात करें तो इयोन मोर्गन टीम की प्लेइंग इलेवन में बदलाव कर सकते हैं। चेन्नई के खिलाफ कोलकाता का टॉप आर्डर बुरी तरह से बिखर गया था। इस बार केकेआर की तरफ से नितीश राणा और शुभमन गिल को अच्छी शुरुआत देनी होगी। चेन्नई के खिलाफ कमलेश नगरकोटी काफी महंगे साबित हुए थे। उनकी जगह केकेआर की प्लेइंग इलेवन में शिवम मावी को जगह मिल सकती है। सुनील नरेन को आज के मैच में भी प्लेइंग इलेवन में जगह मिलने की संभावना है। आंद्रे रसेल की टीम में जगह पक्की है। उन्होंने पिछले मैच में बल्ले से भी योगदान दिया था। पैट कमिंस प्रसिद्ध कृष्णा के साथ तेज गेंदबाज के तौर पर प्लेइंग इलेवन में जगह पा सकते हैं। राजस्थान रॉयल्स की संभावित प्लेइंग इलेवन जोस बटलर, यशस्वी जायसवाल, संजू सैमसन (कप्तान), शिवम दुबे, डेविड मिलर, रियान पराग, राहुल तेवतिया, क्रिस मौरिस, श्रेयस गोपाल, चेतन सकारिया, एंड्रयू टाय कोलकाता नाइट राइडर्स की संभावित प्लेइंग इलेवन नितीश राणा, शुभमन गिल, राहुल त्रिपाठी, इयोन मोर्गन (कप्तान), दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), सुनील नरेन, आंद्रे रसेल, पैट कमिंस, शिवम मावी, वरुण चक्रवर्ती और प्रसिद्ध कृष्णा।

देश परदेश

तो भारत बनाएगा थाईलैंड का क्रा कैनाल प्रॉजेक्ट? साउथ चाइना सी तक होगी नौसेना की पहुंच

बैंकाक, हिंद महासागर में चीन की पांव जमाने की तैयारियों को तगड़ा झटका लगा है। सामरिक रूप से महत्वपूर्ण थाईलैंड के क्रा कैनाल (क्रा नहर परियोजना) प्रॉजेक्ट को बनाने की रेस में अब भारत भी शामिल हो गया है। 135 किलोमीटल लंबी यह नहर थाईलैंड की खाड़ी को अंडमान सागर से जोड़ेगी। इससे हिंद महासागर और साउथ चाइना सी के बीच की दूरी कम हो जाएगी। पहले अंदेशा जताया जा रहा था कि यह प्रॉजेक्ट चीन को मिल गया है, लेकिन थाई सरकार ने इन अटकलों पर विराम लगा दिया है। चीन को नहीं मिला कैनाल प्रोजक्ट थाईलैंड के एक संसदीय पैनल ने सोमवार को दावा किया कि कई राष्ट्रों ने दक्षिणी थाईलैंड में क्रा कैनाल के निर्माण में रूचि दिखाई है। इससे साउथ चाइना सी से हिंद महासागर में आने वाले जहाजों को मलक्का जलडमरूमध्य का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। इससे उन जहाजों के समय और ईंधन की खपत में भी कमी आएगी।

रेस में भारत, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका भी शामिल

इस प्रोजक्ट की व्यवहार्यता का अध्ययन करने वाली संसदीय समिति के प्रमुख और थाई नेशन पावर पार्टी के सांसद सोंगक्लोड थिप्रैट ने कहा कि क्रा इस्तमुस में एक नहर बनाने का सदियों पुराना सपना वास्तविकता बनने के करीब पहुंच रहा है। चीन, भारत, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका जैसे देश इस परियोजना पर थाईलैंड का समर्थन करने के इच्छुक हैं।

30 से अधिक विदेशी फर्म थाई सरकार के संपर्क में

सांसद सोंगक्लोड ने थाई मीडिया से बातचीत में यह भी कहा कि ये सभी देश कैनाल के निर्माण के लिए हमारे साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करना चाहते हैं। कई विदेशी दूतावासों ने इस परियोजना की स्टेटस रिपोर्ट के लिए हमसे संपर्क किया है। इस कैनाल के निर्माण के लिए 30 से अधिक विदेशी फर्मों ने हमें वित्तीय और तकनीकी सहायता के साथ निवेश या आपूर्ति करने में रुचि दिखाई है।

यहां बनेगी क्रा कैनाल

हिंद महासागर में चीन का प्लान फेल!

इस कैनाल प्रोजक्ट में भारत, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया जैसे चीन के धुर विरोधी देशों की एंट्री से मामला एकदम पलट गया है। पहले अंदेशा जताया जा रहा था कि हिंद महासागर में अपना दबदबा कायम करने के लिए चीन हर हाल में इस प्रोजक्ट को पूरा करना चाहेगा। इससे न केवल वह भारत को कम समय में घेर सकता था, बल्कि उसकी नौसेना अंडमान और निकोबार में भारतीय सैन्य अड्डे के पास भी जल्दी पहुंच जाती।

क्यों महत्वपूर्ण है यह प्रोजक्ट

यह कैनाल प्रोजक्ट जिस देश को भी मिलेगा, वह व्यापारिक और सामरिक रूप से इसका इस्तेमाल भी कर सकेगा। इससे उस देश की अर्थव्यवस्था ही नहीं, बल्कि हिंद महासागर और साउथ चाइना सी में उसका दबदबा भी कायम हो जाएगा। चीन पहले से ही इस प्रोजक्ट को बनाने के लिए प्रयासरत है।

पहले भी चीन को झटका दे चुका है थाईलैंड

थाईलैंड ने कुछ दिन पहले भारी जनविरोध के बाद चीन से 2 पनडुब्बियों को खरीदे जाने की योजना को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया था। थाईलैंड की सरकार ने संसद से अगले साल के बजट में से चीन को इन पनडुब्बियों के लिए एडवांस में पैसे देने की अपनी योजना को भी वापस ले लिया है। थाईलैंड ने चीन के साथ जून 2015 में पनडुब्बियों के खरीद को लेकर बातचीत शुरू की थी।

सऊदी अरब में मिले 1.2 लाख साल पुराने इंसान के पैरों के चिह्न, उठेगा रहस्य से पर्दा

रियाद, उत्तरी सऊदी अरब में एक छिछली झील के पास इंसान के एक लाख 20 हजार साल पुराने पैरों के चिह्न मिले हैं। माना जा रहा है कि उस समय होमो सेपियन्स वहां पर पानी और भोजन की तलाश में वहां रुके थे। इसी झील में पानी के लिए ऊंट, भैंस और हाथी भी आते थे। इन इंसानों ने कुछ बड़े जीवों का शिकार किया और कुछ समय बाद वहां से आगे की यात्रा पर चले गए। शोधकर्ताओं का यह शोध साइंस अडवांस जर्नल में प्रकाशित हुआ है। यहां पर ऊंट, भैंस और हाथी के भी पैरों के निशान मिले हैं। सऊदी अरब के नेफूद रेगिस्तान में इंसान के पैरों के ये निशान मिले हैं। इससे पता चलता है कि इंसानों के पूर्वज किस रास्ते से अफ्रीका से निकलकर दुनिया के अन्य हिस्सों में फैल गए थे। इस रेगिस्तानी इलाके में उस समय इंसान और पशुओं को रहने के लिए जरूरी माहौल नहीं था।

इंसानों के ये पदचिन्ह अपने आप में बेहद खास

पिछले 10 साल के अध्ययन में पता चला है कि ऐसा हमेशा नहीं रहा और जलवायु में बदलाव की वजह से यह स्थान और ज्यादा हराभरा और आर्द्र हो गया है। उन्होंने कहा कि यह इलाका अब घास के हरेभरे मैदान, ताजे पानी और नदियों में बदल गया। इंसान के पैरों के ये निशान अल्थार झील के पास वर्ष 2017 में मिले थे। इंसानों के ये पदचिन्ह अपने आप में बेहद खास हैं। इनसे यह पता चलेगा कि किस तरह से इंसान दुनियाभर में फैले।

शोधकर्ताओं ने बताया कि सैकड़ों पद चिह्न मिले हैं जिसमें सात होमो सेपियन्स के हैं। इससे यह भी पता चला है कि तीन से चार लोगों का झुंड यात्रा कर रहा था। जब ये इंसान वहां पहुंचे थे, उसी समय कई बड़े जानवर भी वहां थे। हालांकि वहां कोई पत्थर का औजार नहीं मिला है जिससे यह पता चलता है कि यहां पर इंसान केवल पानी पीने के लिए आया था। साथ ही वहां पर शिकार भी किया हो।

चीन ने 94 दनि बाद माना गलवान घाटी हिंसा का सच पर उसमें भी दिखाई चालाकी

पेइचिंग, लोकसभा में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के गलवान घाटी हिंसा को लेकर दिए बयान पर चीन का सरकारी भोपू ग्लोबल टाइम्स तिलमिला उठा है। चीनी सैनिकों की मौत पर चुप्पी साधने वाले ग्लोबल टाइम्स के एडिटर हू शिजिन ने दावा किया कि इस हिंसा में भारत से कम चीनी सैनिकों की मौत हुई थी। इससे पहले राजनाथ सिंह ने कहा था कि गलवान घाटी में भारतीय सैनिकों ने चीन को मुंहतोड़ दिया था और बड़ी संख्या में चीनी जवानों को मार गिराया था। ग्लोबल टाइम्स के एडिटर ने कहा, 'जहां तक मुझे पता है, 15 जून को गलवान घाटी में चीनी सैनिकों की भारत के 20 सैनिकों के मुकाबले कम मौत हुई थी। किसी भी चीनी सैनिक को भारत ने पकड़ा नहीं था, जबकि पीएलए ने उस दिन कई भारतीय सैनिकों को पकड़ लिया था।' बता दें कि भारतीय और अमेरिकी अनुमान के मुताबिक 40 से अधिक चीनी सैनिक इस हिंसा में मारे गए थे। हू शिजिन ने आरोप लगाया कि भारतीय जवानों ने बिना चेतावनी दिए ही उन पर हमला बोला था जिससे संघर्ष हुआ।

चीनी मीडिया का दावा, पीएलए ने पैंगोंग में भी बनाई बढ़त

इस दावे के बीच हू शिजिन ने माना कि गलवान हिंसा के दौरान कुछ चीनी सैनिकों को अपनी जान गंवानी पड़ी लेकिन उन्होंने ठीक-ठीक संख्या नहीं बताई। उन्होंने दावा किया कि संघर्ष के दौरान कुछ भारतीय सैनिक भाग गए और कुछ ने आत्मसमर्पण कर दिया। ग्लोबल टाइम्स के एडिटर ने यह भी दावा किया कि पैंगोंग झील इलाके में भी चीनी सैनिकों ने भारतीय सैनिकों को ऊंचाई वाले इलाकों से हटा दिया है और उन्होंने गतिरोध वाली कई जगहों पर बढ़त हासिल कर ली है। हू शिजिन ने कहा कि भारत चीन के बारे में अपनी समझ की फिर से समीक्षा करे और हम अपनी क्षेत्रीय संप्रभुता की रक्षा के लिए करारा जवाब देंगे। अगर भारत सीमा के मुद्दे पर हमला करना चाहता है तो उसे बिना कोई लाभ हुए भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि चीनी सेना ने भारत से लगती सीमा पर अपनी स्थिति को मजबूत कर लिया है। अगर भारत ने उकसावे की कार्रवाई की तो पीएलए उसे भारी नुकसान पहुंचा सकती है।

भारत के पास अब केवल एक ही विकल्प है कि वह बातचीत के जरिए विवाद को सुलझाए।

राजनाथ बोले, गलवान में पीएलए को तगड़ा जवाब दिया

इससे पहले रक्षा मंत्री ने कहा था कि भारतीय सैनिकों ने 15 जून को गलवान में पीएलए को तगड़ा जवाब दिया। जवानों ने इन सभी घटनाओं के दौरान जहां संयम दिखाना था, वहां संयम दिखाया और जहां शौर्य की जरूरत थी वहां शौर्य दिखाया। रक्षा मंत्री ने राज्यसभा से चीन को साफ संदेश दिया। उन्होंने कहा कि भारत बातचीत का पक्षधर है मगर झुकने वालों में से नहीं है। सिंह ने कहा कि चीन ने सीमा पर जवानों की भारी तैनाती की है और गोला-बारूद जुटाए हैं। भारतीय सेना ने भी काउंटर डिप्लॉयमेंट्स किए हैं। उन्होंने चीन को चेतावनी देते हुए कहा कि भारत की सुरक्षा के लिए चाहे जितना कड़ा कदम उठाना पड़े, हम उठाने को तैयार हैं।

अब कोच बनकर गरीब बच्चों को बॉक्सिंग सिखा रहे आबिद खान, फरहान अख्तर के लिए कही ये बात

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स (एनआईएस) के पूर्व छात्र आबिद खान की कहानी, जो अब चंडीगढ़ अनाज बाजार में एक ऑटो चालक और लोडर के रूप में काम करते है, उन्होंने देश का ध्यान अपनी तरफ खींच लिया है। एक कुशल राष्ट्रीय स्तर के मुक्केबाज और एक योग्य कोच बनने और अब दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम करने पर मजबूर, आबिद की लाइफ स्टोरी भारत में खिलाड़ियों की दुखद स्थिति की कहानी थी। आबिद का वीडियो हुआ था वायरल

पैसे और संसाधनों की कमी ने आबिद को अपने जुनून को जारी रखने की अनुमति नहीं दी। जिसके बारे में बोलते हुए, उन्होंने पहले कहा था, "इन सभी वर्षों ने मुझे विश्वास दिलाया कि इस देश में, गरीब स्पोर्ट्स पर्सन केवल दुःख ही झेलता है। मुक्केबाजी केवल गरीब और मध्यम वर्ग के लिए है, केवल अमीर ही टेनिस, बैडमिंटन और क्रिकेट जैसे स्पोर्ट्स खेल सकते हैं।" लेकिन आबिद के जीवन संघर्ष का एक वीडियो ऑनलाइन पर वायरल हो जाने के बाद उनकी किस्मत बदल गयी। हर किसी ने इस शख्स को नोटिस किया, जिसे आर्थिक तंगी के कारण अपने सपनों को छोड़ना पड़ा। फरहान जैसे शुभचिंतक आबिद की मदद के लिए आगे आए और उन्हें कोच के रूप में फिर से बॉक्सिंग रिंग में पहुंचा दिया। फरहान ने किया था ट्वीट वीडियो देखकर फरहान अख्तर भी आबिद की दुर्दशा से सहम गए और उन्होंने ट्वीट किया, "यह दिल दहला देने वाला लेकिन बहुत प्रेरणादायक है कि इस स्पोर्ट्स पर्सन ने कितनी बेहिसाब महत्वाकांक्षा के साथ सामना किया है।

क्या आप उनकी कांटेक्ट डिटेल्स साझा कर सकते हैं?" @duggal_saurabh" साथ ही, विजेंद्र सिंह और मनोज कुमार जैसे कई अन्य मुक्केबाज भी आबिद की मदद के लिए आगे आए। गरीब बच्चों को सिखा रहे बॉक्सिंग जिसके बाद, लोग आबिद के जीवन को फिर से जीवित करने के लिए आगे आए। इस जनसमर्थन के समर्थन में, आबिद ने गरीब बच्चों के साथ अपना ज्ञान साझा करने का फैसला किया। उन्होंने चंडीगढ़ के धानस में अपने रिहैबिलिटेशन कॉलोनी के फ्लैट के पास पार्क में युवाओं को कोचिंग देना शुरू किया। और अब, अंत में बच्चो को कोचिंग देने के अपने अधूरे सपने को पूरा करने पर आबिद ने साझा किया, "यह जानकर अच्छा लगा कि फरहान अख्तर, विजेंदर और मनोज जैसे लोग मेरा समर्थन करने के लिए आए हैं। मैं हमेशा से ऐसा करना चाहता था लेकिन कभी भी आवश्यक समर्थन और संसाधन नहीं मिला। और अब, मुझे खुशी है कि लोग मुझे पहचानने लगे हैं। फरहान, विजेंदर और मनोज ने मुझसे बात करते हुए कहा कि वे मेरी कोचिंग से बॉक्सिंग चैंपियन को बाहर आते हुए देखना पसंद करेंगे।"

जब अनुष्का शर्मा की ड्रेस के साथ 'खेलते' नजर आए रणबीर कपूर

बॉलीवुड सेलेब्स के फैन्स अक्सर अपनी सितारों के बारे में अधिक से अधिक जानना चाहते हैं। वहीं अपने पसंदीदा सितारों के अलग अलग अंदाज भी फैन्स को खूब भाते हैं। वहीं दूसरी ओर सितारे भी कई बार जाने- अनजाने कुछ ऐसा कर जाते हैं जिसके चलते वो सुर्खियों में आ जाते हैं। ऐसा ही रणबीर कपूर और अनुष्का शर्मा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। अनुष्का की ड्रेस के साथ खेलते रणबीर कपूर

दरअसल सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें रणबीर कपूर, अनुष्का शर्मा की ड्रेस के साथ खेलते से नजर आ रहे हैं। रणबीर कपूर, अनुष्का के साथ ही बैठे हैं और उनके हाथ में अनुष्का की ड्रेस का एक हिस्सा है। एक ओर जहां अनुष्का किसी सवाल का जवाब दे रही हैं तो वहीं दूसरी ओर रणबीर, अनुष्का की ड्रेस को अपनी उंगलियों से खेल रहे हैं। अनुष्का- रणबीर का ये थ्रोबैक वीडियो फैन्स काफी पसंद कर रहे हैं। रणबीर- अनुष्का की कैमिस्ट्री

याद दिला दें कि रणबीर कपूर और अनुष्का शर्मा फिल्म बॉम्बे वेलवेट और ऐ दिल है मुश्किल में स्क्रीन शेयर कर चुके हैं। दोनों ही फिल्में बॉक्स ऑफिस पर तो कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाईं लेकिन फैन्स को इनकी जोड़ी पसंद आई। बता दें कि ऑफ स्क्रीन भी रणबीर और अनुष्का अच्छे दोस्त हैं। क्या है अपकमिंग प्रोजेक्ट्स गौरतलब है कि अनुष्का शर्मा आखिरी बार फिल्म जीरो में नजर आई थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक जल्दी ही वो क्रिकेटर झूलन गोस्वामी की बायोपिक में नजर आएंगी। वहीं दूसरी ओर रणबीर कपूर के खाते में एनिमल, आलिया भट्ट के साथ ब्रह्मास्त्र और वाणी कपूर के साथ शमशेरा शामिल हैं। इसके अलावा रणबीर, लव रंजन की एक रोमांटिक- कॉमेडी फिल्म में भी नजर आएंगे, जिसमें उनके साथ श्रद्धा कपूर नजर आएंगी।

18 वर्षीय त्रिशान शेट्टी 'मार्शल आर्ट' के क्षेत्र का नया सितारा

अमेरिका व श्रीलंका से 'मार्शल आर्ट्स' के अवार्ड विनर त्रिशान शेट्टी अब लोंगो को ऑनलाइन मार्शल आर्ट के टिप्स व ट्रेनिंग दे रहे है

मुंबई। भारत के मार्शल आर्ट एक्सपर्ट यजनेश शेट्टी के 18 वर्षीय बेटे त्रिशान शेट्टी ने 'मार्शल आर्ट' के क्षेत्र में एक नया आयाम हासिल किया हैं। पिछले दिनों उन्हें अमेरिका के 'एम्प्टी हैंड कॉम्बेट एलएलसी 'द्वारा 'इंटरनेशनल जूम टूर्नामेंट'में प्रथम पुरस्कार तथा 'श्री लंकन ट्रेडिशनल इन डिगेनोस मार्शल आर्ट एसोसिएशन'द्वारा ' बेस्ट हैंड टू हैंड टेकनीक परफ़ॉर्मर' का अवार्ड मिला। त्रिशान 'फ़्यूगो टूरमेंटो सॉसर स्कूल'की तरफ से

फुटबॉल मैच व टूर्नामेंट खेलते है। अभी उन्होंने ऑनलाइन देश व विदेश के लोगो को मार्शल आर्ट की टिप्स व ट्रेनिंग देना शुरू किया है। अपने अवार्ड व ऑनलाइन मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग के बारे में त्रिशान शेट्टी कहते है," मैं दोंनो मार्शल संस्थाओं को धन्यवाद देता हूँ, जिन्होंने ने मुझे यह सम्मान दिया। यह मेरे पिता जी की वजह से संभव हो पाया है, जिन्होंने ने मुझे बचपन से ट्रेनिंग दी। जिस तरह उन्होंने ने देश विदेश में 'मार्शल आर्ट'को पहुँचाया, मैं भी उसी तरह और उससे ज्यादा अच्छी तरह इसे देश-विदेश में पहुँचाना चाहता हूँ। जिसकी शुरुआत अभी कॅरोना की वजह से ऑनलाइन शुरू किया है। जिसको युवा वर्ग काफी पसंद कर रहे हैं। "

मालदीव वेकेशन पर जाने वाले सेलेब्स पर भड़के नवाजुद्दीन सिद्दीकी, बोले- कुछ तो शर्म करो

कोरोना की दूसरी और घातक लहर के बीच मालदीव वेकेशन पर जाने वाले बॉलीवुड सेलिब्रिटीज सितारे पर अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी काफी नाराज हैं। उन्होंने उन स्टार्स पर नाराजगी जताते हुए कहा कि इस भयानक परिस्थिति को देखकर कुछ तो शर्म करो। स्पॉटबॉय से बातचीत में नवाज ने कहा कि कई फिल्मी हस्तियां इन दिनों अपने मालदीव वेकेशन पर हैं।

जहां से वे अपनी तस्वीरें शेयर कर रहे हैं। यह काफी शर्मनाक है। क्योंकि इस समय दुनिया सबसे खराब स्थिती में हैं। देश मंदी की चपेट में है। लोगों के पास खाने के कुछ नहीं है। ऐसे में ये लोग पैसे फेंक रहे हो। कुछ तो शर्म करो! दिखावा करना बेहद गलत है

इस बातचीत के के दौरान नवाज का कहना है कि वेकेशन पर जाना बुरी बता नहीं लेकिन इस मुश्किल घड़ी में भी सोशल मीडिया पर उसका दिखावा करना बेहद गलत है। नवाज ने सेलेब्स पर भड़के हुए आगे कहते हैं कि एक समाज के रूप में इन सितारों को और बड़ा होने की जरुरत है। अपने होमटाउन हैं नवाज बता दें कि इस कोरोना काल में नवाज अपने परिवार के साथ अपने होमटाउन हैं। जिसे उन्होंने अपना मालदीव कहा है। नवाज आगे कहते हैं कि ये जो वेकेशन पर हैं वो किस बारें में बात करेंगे? एक्टिंग? । जिनकी दो मिनट अंदर ही उनके शब्द खत्म हो जाएंगे। लोगों ने मालदीव को एक तमाशा बना दिया है।

इंसानियत के नाते अपने वेकेशन को अपने आस रखिए वह आगे कहते हैं कि मैं नहीं जानता कि वहां की टूरिज्म इंडस्ट्री के साथ इनकी क्या साझेदारी है, लेकिन इंसानियत के नाते अपने वेकेशन को अपने आस रखिए। एक तरफ तबाही मची हुई और इन्हें मस्ती करनी है। कोविड केस बढ़ रहे हैं, जो लोग जूझ रहे हैं उन्हें छेड़िए मत।

पूजा बत्रा के पति एक्टर नवाब शाह भी हुए कोरोना पॉजिटिव, एक्ट्रेस ने पोस्ट शेयर जताई चिंता

कोरोना वायरस का कहर जारी है। इसका असर बॉलीवुड इंडस्ट्री पर भारी पड़ रहा है। एक तरफ जहां फिल्मों और टीवी शो की शूटिंग बंद है तो वहीं दूसरी तरफ इस महामारी के चपेट में कई सितारों ने खुद को होम क्वारंटाइन कर रखा है तो कुछ हॉस्पिटल में एडमिट हैं। इसी बीच एक्ट्रेस पूजा बत्रा के पति एक्टर नवाब शाह भी कोरोना संक्रमित हो गए हैं। इस बात की जानकारी एक्टर ने खुद दी है। नवाब इस समय होम क्वारंटाइन हैं। पति की सेहत को लेकर अपसेट पूजा बत्रा ने भी दुआ करते हुए अपने फैंस से कोरोना से संबंधित सभी नियमों का पालन करने की अपील की है। दोनों का पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। नवाब शाह का पोस्ट अभिनेता नवाब शाह ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर अपनी फोटो शेयर करते हुए लिखा है कि बीते दिन से उन्होंने कोरोना के हल्के लक्षण का महसूस किया। आज सुबह ही मेरा कोरोना टेस्ट पॉजिटिव आया है। रिपोर्ट आते ही मैंने खुद को आइसोलेट कर लिया है। सभी लोग घर में रहें और सुरक्षित रहे।

पूजा बत्रा ने की अपील नवाब शाह के पोस्ट के अभिनेत्री पूजा बत्रा ने भी एक पोस्ट साझा की, जिसमें उन्होंने लिखा, "मेरे कई दोस्तों और उनके माता-पिता सीओवीआईडी के साथ हैं। मेरे पति नवाब शाह की टेस्ट पॉजिटिव आया है। मैं प्रार्थना करती हूं कि जो कोई भी इस संक्रमण से गुजर रहा है, वह बिना किसी मुसीबत के इससे बाहर आ जाए।

नेहा कक्कड़ और रोहनप्रीत की शादी को पूरे हुए 6 महीने, सोशल मीडिया पर एक दूजे के लिए ऐसे जाहिर किया प्यार

सेल्फी क्वीन के नाम से मशहूर सिंगर नेहा कक्कड़ की शादी को 6 महीने पूरे हो गए हैं। बीते साल 24 अक्टूबर को नेहा कक्कड़ और रोहनप्रीत सिंह शादी के बंधन में बंधे थे। शादी के 6 महीने पूरे होने पर नेहा और रोहनप्रीत ने सोशल मीडिया पर एक दूसरे के लिए कुछ फोटोज शेयर की हैं और प्यार जाहिर किया है। क्या है नेहा का पोस्ट नेहा ने रोहनप्रीत के साथ कुछ फोटोज शेयर की हैं,जिसके साथ कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'हर एक दिन ये मेरा दिल जीत लेते हैं। इनकी वजह से मैं खुद से और अधिक प्यार करने लगती हूं... हर दिन। वो कहते हैं कि जितना मैं उन्हें प्यार करती हूं, उससे ज्यादा वो मुझे प्यार करते हैं लेकिन मैं कहना चाहती हूं कि मैं उससे भी थोड़ा ज्यादा प्यार करती हूं। रोहनप्रीत तुम सबसे बेस्ट पति हो। मैं खुशनसीब हूं। मेरे जीवन के बेहतरीन 6 महीने।' नेहा के पोस्ट पर रोहन का कमेंटनेहा कक्कड़ के इस रोमांटिक पोस्ट को फैन्स काफी पसंद कर रहे हैं। सोशल मीडिया यूजर्स के साथ ही कई सितारों ने भी नेहा के पोस्ट पर कमेंट किया है। सेलेब्स और फैन्स के अलावा रोहनप्रीत ने भी इस पोस्ट पर कमेंट किया। रोहनप्रीत ने लिखा- आई लव यू मेरी पत्नी। इसके साथ ही रोहनप्रीत ने दिल के इमोजी भी बनाए हैं। रोहनप्रीत सिंह ने भी जाहिर किया प्यार

नेहा कक्कड़ के साथ ही रोहनप्रीत ने भी पत्नी के लिए प्यार जाहिर किया है।

मोहम्मद इकबाल खान ने सोशल मीडिया से बनाई दूरी, एक्टर की आखिरी पोस्ट पर जैस्मिन भसीन ने कॉमेंट कर ये किया सवाल

टीवी इंडस्ट्री में अपनी दमदार पहचान बना चुके मोहम्मद इकबाल खान ने सोशल मीडिया पर अब दूरी बना ली है। उन्होंने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर एक अपनी एक वीडियो शेयर करते हुए कहा है कि सोशल मीडिया पर उनकी यह आखिरी पोस्ट है। मोहम्मद इकबाल खान ने अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, " दोस्तों मैंने सोशल मीडिया पर नहीं होने का फैसला किया है, यह मेरी आखिरी पोस्ट है। लेकिन इंशाअल्लाह आप सभी के साथ मेरे काम को जारी रखेंगे। यह एक खुश नोट पर समाप्त होता है। हमेशा याद रखें "दयालु बनें"। मैं तुमसे प्यार करता हूं।" एक्ट्रेस जैस्मिन भसीन ने किया कॉमेंट मोहम्मद इकबाल खान के इस पोस्ट पर उनके चाहने वाले उनके सोशल मीडिया छोड़ने के हैसले पर हैरानी जताते हुए उनसे सवाल कर रहे हैं वह ऐसा फैसला क्यों कर रहे हैं। उनका यह पोस्ट अब वायरल हो चुका है। फैंस के अवाला टीवी एक्ट्रेस जैस्मिन भसीन ने कॉमेंट करते हुए मोहम्मद से सवाल किया है आखिर क्यों? टीवी शो से मिली पहचान मोहम्मद इक़बाल खान ने कई टीवी शो में काम किया है। उनका फेमस शो 'कहीं तो होगा', 'काव्यांजलि', 'वारिस', 'दिल से दिल तक', 'एक था राजा एक थी रानी', 'खतरों के खिलाड़ी' आदि है। इन फिल्मों में किया है काम मोहम्मद इक़बाल बॉलीवुड में करियर बनाने की चाह रखते थे लेकिन लंबे समय तक स्ट्रगल करने के बाद भी वह सफल नहीं हो पाए। इकबाल साल 2002 में आई फिल्म 'कुछ दिल ने कहा' से बॉलीवुड डेब्यू किया था । इसके बाद उन्हें फिल्म'फनटूश', 'बुलेट एक धमाक' 'अनफॉर्गेटेबल' में देखा गया। आपको बता दें कि इकबाल ने एक्ट्रेस स्नेहा छाबड़ा से शादी की है और स्नेहा और इकबाल की मुलाकात एक वीडियो एल्बम की शूटिंग के दौरान हुई थी। इन दोनों का एक बेटा भी है।

आमिर खान की राह पर ये 'एलियन' अभिनेत्री, सोशल मीडिया को कहा अलविदा लेकिन...

बॉलीवुड अभिनेत्री वरीना हुसैन ने सोशल मीडिया को अलविदा कह दिया है। इस बात की जानकारी खुद वरीना ने अपने सोशल मीडिया पर दी है। वरीना ने अपने पोस्ट में बताया है कि ये उनका आखिरी पोस्ट है। वहीं वरीना ने अपने पोस्ट में आमिर खान का भी जिक्र किया है।

फैन्स और दोस्तों का प्यार रहा है मेरी ताकत वरीना ने अपने पोस्ट में लिखा, 'मुझे याद है कि मैंने कहीं पढ़ा था कि आपको अपने डिपार्चर का ऐलान नहीं करना होता क्योंकि ये कोई एयरपोर्ट नहीं है, लेकिन मैं अपने दोस्तों और फैन्स के लिए ऐसा करूंगी। जिनका प्यार मेरे लिए हमेशा ताकत रहा है।' टीम करेगी अकाउंट मैनेज वरीना ने अपने पोस्ट में आगे लिखा, 'ये मेरा आखिरी सोशल मीडिया पोस्ट है लेकिन मेरी टीम मेरी अकाउंट मैनेज करती रहेगी ताकि आप सभी तक मेरे काम की जानकारी पहुंचती रहे। ढेर सारा प्यार, एलियन।' इस पोस्ट में एक ओर जहां वरीना ने खुद को एलियन बताया है तो वहीं उनके इंस्टा बायो में भी उनके नाम के नीचे एलियन लिखा है। वरीना ने अपने पोस्ट में आमिर खान का भी जिक्र किया है। अपने पोस्ट के कैप्शन में वरीना ने लिखा- 'आमिर सर की भाषा में, दिखावे को अलविदा।' वरीना के इस पोस्ट को उनके फैन्स कुछ खास पसंद नहीं कर रहे हैं और सोशल मीडिया से उनके अलविदा कहने के फैसले से दुखी हैं।

जानें कब रिलीज होगा 'राधे' का पहला गाना 'सीटी मार', दिशा पाटनी और सलमान खान का दिखेगा स्वैग

अभिनेता सलमान खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म "राधे: योर मोस्ट वांटेड भाई" का ट्रेलर 22 अप्रैल को रिलीज हुआ, जिसे देश की जनता से भरपूर प्यार मिल रहा है। सोशल मीडिया यूजर्स ने राधे के ट्रेलर को खूब पसंद किया और ट्रेलर ने कई रिकॉर्ड्स भी बनाए। फैन्स ने दिया ट्रेलर को खूब प्यार

जब से ट्रेलर रिलीज हुआ है, सामान्य रूप से दर्शक और विशेष रूप से सलमान खान के प्रशंसकों के बीच फिल्म के गानों के प्रति जिज्ञासा अपने चरम पर है। ट्रेलर में फिल्म के एक ट्रैक 'सिटी मार' की झलक साझा की गई थी। भले ही दर्शकों को चंद सेकंड्स के लिए यह गाना सुनने मिला था, लेकिन सोशल मीडिया पर इसे लेकर काफी हलचल देखने मिली जहाँ दर्शकों द्वारा बनाये गए मज़ेदार वर्जन की सोशल मीडिया पर धूम देखने मिल रही है। सोमवार को रिलीज होगा सीटी मार यह गीत आधिकारिक तौर पर सोमवार को रिलीज किया जाएगा। लेकिन उससे पहले, निर्माताओं ने हाल ही में दिशा की एक झलक साझा करते हुए गाने का एक पोस्टर जारी कर दिया है जिसने निश्चित रूप से सभी को गाने के प्रति अधिक प्रत्याशित कर दिया है। 'सिटी मार' फिल्म से रिलीज़ होने वाला पहला गाना है। ट्रेलर में गाने की एक झलक सुनने के बाद, इतना तो तय है कि यह एक एनर्जेटिक डांस नंबर होगा।

CEASID-पृथ्वी वास्तुकला और सतत एकीकृत विकास केंद्र

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

केंद्र विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन और संचालन करता है जो पर्यावरण के अनुकूल निर्माण के लिए अंतर्दृष्टि और कौशल प्रदान करता है। आर्किटेक्ट शुभा मिश्रा द्वारा स्थापित, का उद्देश्य शिक्षा प्रदान करने, परामर्श देने, लेखन और सामाजिक सेवा गतिविधियों के माध्यम से आम लोगों के लिए भी एक समग्र दृष्टिकोण के साथ अर्थ आर्किटेक्चर, उपयुक्त बिल्डिंग टेक्नोलॉजीज और सतत एकीकृत विकास को बढ़ावा देना है।

संस्थान द्वारा आयोजित और संचालित कुछ दिलचस्प कार्यक्रम नीचे सूचीबद्ध हैं:नींव के लिए मिट्टी परीक्षण और स्थिरीकरण:छात्र संवेदनशील विश्लेषण टेस्ट सीखकर विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे सैंडी, क्ले, सिल्टी, ग्रेवीली आदि की पहचान करना सीखते हैं। इसके अलावा वे मृदा स्थिरीकरण और इसके महत्व और उपयोग के विभिन्न तरीकों को सीखते हैं।

सीओबी एक भवन निर्माण तकनीक है जिसमें मिट्टी, रेत, पुआल, गाय के गोबर, पानी और पृथ्वी आदि शामिल हैं। हाल के वर्षों में प्राकृतिक भवन और स्थिरता आंदोलनों द्वारा इसे पुनर्जीवित किया गया है।

ADOBE, पृथ्वी वास्तुकला की ढाला तकनीक के अंतर्गत आता है जहाँ पृथ्वी को हाथों, साँचे या मशीनों द्वारा विभिन्न आकृतियों में ढाला जाता है। एडोब संरचनाएं अत्यंत टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल हैं।

वाटल और डीएयूबी एक मिश्रित, आपदा प्रतिरोधी, टिकाऊ और उपयोगकर्ता के अनुकूल है। भवन बनाने की तकनीक का उपयोग दीवारों को बनाने के लिए किया जाता है, जिसमें लकड़ी के स्ट्रिप्स / स्टील / बांस / रीड्स की बुने हुई जाली को एक चिपचिपी सामग्री से गीला किया जाता है।EARTH-SHIP, एक प्रकार का निष्क्रिय सौर भवन है जो प्राकृतिक और पुनर्नवीनीकरण सामग्री (जैसे पृथ्वी से भरे टायर, बेकार बोतल, डिब्बे, कंटेनर आदि) के साथ कीचड़ से बना है। गाय के गोबर का मिश्रण और फर्श सदियों से भारतीय गाँवों में इस्तेमाल होने वाली सबसे पुरानी और शुभ तकनीकों में से एक है।

यहाँ वास्तुकला के छात्रों को अपने कौशल विकसित करने और उन्हें पर्यावरण के अनुकूल तकनीकों के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। ठाकुर स्कूल आर्किटेक्चर और प्लानिंग के छात्र प्रमाणित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में अपने कौशल को आगे बढ़ाने के लिए भाग लेते हैं। अधिक जानकारी के लिए आप tsap.mumbai.in या ceasid.com पर देख सकते हैं।

कोरोना की तबाही के बीच उद्धव सरकार का ऐलान, महाराष्ट्र की जनता को मुफ्त में लगेगी वैक्सीन

महाराष्ट्र में कोरोना वायरस के जारी कहर के बीच उद्धव सरकार ने रविवार को अहम ऐलान किया है।

एक मई से शुरू हो रहे 18 साल से अधिक उम्र के लोगों के लिए टीकाकरण के दौरान सभी लोगों को मुफ्त में कोरोना वैक्सीन लगाई जाएगी। मालूम हो कि महाराष्ट्र में कई दिनों से 60 हजार से ज्यादा रोजाना कोरोना के मामले सामने आ रहे हैं। हालांकि, राज्य सरकार ने कोरोना की रोकथाम के लिए लॉकडाउन जैसी तमाम पाबंदियों को एक मई तक के लिए लागू किया है, लेकिन नए संक्रमितों की संख्या में कोई बड़ी गिरावट देखने को नहीं मिल रही है। महाराष्ट्र सरकार ने मंत्री और एनसीपी नेता नवाब मलिक ने मुफ्त में कोविड वैक्सीन लगाए जाने की जानकारी दी। मलिक ने कहा, "महाराष्ट्र सरकार अपने सभी नागरिकों को फ्री में कोरोना वैक्सीन लगवाएगी।

''इस समय देशभर में 45 साल से अधिक उम्र के लोगों को कोरोना का टीका लगाया जा रहा है। कोरोना की दूसरी लहर के बीच टीका लगवाने के लिए बड़ी संख्या में लोग सामने आ रहे हैं। 13 करोड़ से अधिक जनता देशभर में कोविड का टीका लगवा चुकी है।

महाराष्ट्र में भी सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों में कोविड का टीका लगाया जा रहा है। इन सबके बीच कई बार राज्य सरकार कोरोना वैक्सीन्स की कमी होने का दावा भी कर चुकी है, लेकिन केंद्र ने इन दावों को हर बार खारिज किया है। महाराष्ट्र में बीते दिन 67,160 नए केस सामने आए थे, जिसके बाद कुल संख्या बढ़कर 42,28,836 हो गई है। पिछले 24 घंटों में 63,818 लोगों को डिस्चार्ज किया गया है, जबकि 676 लोगों की जान चली गई। कुल मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 63,928 हो गया है। अभी तक 34,68,610 लोग बीमारी को पराजित करके ठीक हो चुके हैं। राज्य में एक्टिव मामलों की बात करें तो यह 6,94,480 है।

मोदी सरकार का बड़ा ऐलान: PM CARES Fund से सरकारी अस्पतालों में स्थापित किए जाएंगे ऑक्सीजन बनाने वाले 551 प्लांट

कोरोना वायरस संकट के बीच देश में ऑक्सीजन को लेकर जारी हाहाकार के बीच केंद्र की मोदी सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। केंद्र सरकार ने ऐलान किया है कि पीएम केयर्स फंड के जरिए देशभर के सरकारी अस्पतालों में ऑक्सीजन बनाने वाले 551 पीएसए (प्रेशर स्विंग एडसॉर्प्शन) संयंत्र स्थापित किए जाएंगे। बता दें कि कोरोना काल में ऑक्सीजन की कमी का संकट गहराता जा रहा है। हर दिन ऑक्सीजन की कमी की वजह से कई लोगों की मौतें हो जा रही हैं।

पीएमओ कार्यालय द्वारा जारी बयान के मुताबिक, देश में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों और इसके मद्देनजर अस्पतालों में तेज होती ऑक्सीजन की मांग के मद्देनजर प्रधानमंत्री नागरिक सहायता और आपात राहत कोष (पीएम केयर्स) से देश के विभिन्न राज्यों के स्वास्थ्य केंद्रों में 551 पीएसए चिकित्सीय ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्रों की स्थापना की जाएगी।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान में रविवार को कहा कि पीएम केयर्स कोष ने इन संयंत्रों की स्थापना के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दी है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने इन संयंत्रों को जल्द से जल्द क्रियान्वित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि इन संयंत्रों से जिला स्तर पर ऑक्सीजन की उपलब्धता को बल मिलेगा।

इन संयंत्रों की स्थापना विभिन्न राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के जिला मुख्यालयों में चिह्नित अस्पतालों में की जाएगी और केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय यह काम करेगा। पीएम केयर्स कोष से इससे पहले से देश के विभिन्न राज्यों के स्वास्थ्य केंद्रों में 162 पीएसए चिकित्सीय ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्रों की स्थापना के लिए 201.58 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे।

गौरतलब है कि 27 मार्च 2020 को कोविड-19 महामारी जैसी किसी भी तरह की आपातकालीन या संकट की स्थिति से निपटने के प्राथमिक उद्देश्य से एक समर्पित राष्ट्रीय निधि की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए और उससे प्रभावित लोगों को राहत प्रदान करने के लिए 'आपात स्थितियों में प्रधानमंत्री नागरिक सहायता और राहत कोष' (पीएम केयर्स फंड) के नाम से एक सार्वजनिक धर्मार्थ ट्रस्ट बनाया गया था।

देश में कोरोना की स्थिति

भारत में एक दिन में कोविड-19 के रिकॉर्ड 3,49,691 नए मामले आने के साथ ही संक्रमण के मामले बढ़कर 1,69,60,172 पर पहुंच गए जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या 26 लाख के पार चली गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के रविवार को सुबह आठ बजे तक जारी आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि के दौरान संक्रमण के कारण 2,767 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 1,92,311 पर पहुंच गई है।

सोसायटी फॉर मीडिया एवं पुलिस पब्लिक सहयोगी संगठन गुजरात सूरत द्वारा सूरत के सभी पुलिस स्टेशन में आयुर्वेदिक अजवाइन लविंग और कपूर की पोटली बनाकर वितरण किया गया कोरोना की दूसरी लहर में बढ़ते हुए महामारी को देखकर यह एक छोटी सेवा की शुरुआत मीडिया एवं पुलिस पब्लिक सहयोगी संगठन द्वारा गुजरात स्टेट वाइस प्रेसिडेंट एच एम पटेल और धुविन कथिरिया और संस्था के सारे मेंबर द्वारा पोटली का वितरण किया जा रहा है

इन पांच पांबदियों का पंच बनाकर ब्रिटेन ने दी कोरोना को मात, क्या भारत में ऐसा संभव नहीं?

भारत में कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर तबाही मचा रही है पर ब्रिटेन की दूसरी लहर भी बहुत ज्यादा खतरनाक थी, जिससे ब्रिटेन तेजी से कामयाब होकर निकला। आज ब्रिटेन दुनिया के उन चंद बड़े देशों में से एक है, जहां तेजी से संक्रमण घटने लगा है। आइए जानते हैं कि आखिर ब्रिटेन किन तरीकों को अपनाकर सफल हुआ। क्या भारत भी अगर ब्रिटेन की राह पर चले तो क्या कोरोना को मात दिया जा सकता है?

भारत की तरह नए स्ट्रेन ने मचायी थी तबाही

ब्रिटेन की दूसरी लहर के पीछे का कारण नया कोरोना वेरिएंट बी117 था। कोरोना वायरस के अनुवांशिक तत्वों में होने वाले परिवर्तन से यह वेरिएंट विकसित हुआ, जो 70 प्रतिशत ज्यादा संक्रामक था। दिसंबर आते-आते अकेले लंदन में इस वेरिएंट से संक्रमित होने वालों की तादाद 62% हो गई। इस संस्करण वाला कोरोना वायरस भारत, अमेरिका, अफ्रीका और अमेरिका में भी फैला। जनवरी के पहले सप्ताह में यहां हर दिन 60 से 67 हजार तक हर दिन मरीज मिल रहे थे। 20 जनवरी को यहां सबसे ज्यादा 1823 मरीजों की मौत हुई।

23 म्यूटेशन वाला कोरोना वायरस

भारत में इस वक्त दोहरे म्यूटेशन वाले कोरोना वेरिएंट के तेजी से फैलने से दूसरी लहर शक्तिशाली बन गई है। जबकि ब्रिटेन में जिस वेरिएंट के कारण दूसरी लहर आयी थी, वह 23 म्यूटेशन वाला कोरोना वायरस था। फिलहाल, भारत में कोरोना की तबाही देखने को मिल रही है। हालांकि, इसे कंट्रोल करने के लिए कुछ पाबंदियां भी लागू हैं।

तो चलिए जानेत हैं का आखिर कोरोना के कहर से कैसे बचा ब्रिटेन

1. सख्त तालाबंदी : जनवरी की शुरूआत में यहां सख्त राष्ट्रीय तालाबंदी की गई। तब हर दिन 60 हजार से ज्यादा मरीज आ रहे थे और मौतों में 20% की वृद्धि हो चुकी थी। इस तालाबंदी के तीन माह बाद अब रोजाना केस घटकर 3 हजार से कम हो गए हैं।

2. पहली खुराक में देरी : तेजी से टीकाकरण कराने के लिए सरकार ने वैक्सीन की दूसरी खुराक लेने की अवधि को एक माह से बढ़ाकर तीन माह कर दिया। इससे आपूर्ति संकट का हाल निकला और तेजी से पहला टीका लगने से लोगों में अस्थायी तौर पर संक्रमण से लड़ने की क्षमता विकसित हो सकी। यहां हरसौ लोगों पर 63.02 लोगों को खुराक मिली जिससे मौतों में 95% की गिरावट आयी।

3. अस्पतालों में सख्ती : लंदन के सेंट थॉमस अस्पताल के एमडी डॉ. निशित सूद ने बताया कि अस्पतालों में बिस्तर कम पड़ने की स्थिति से बचने के लिए अस्पताल प्रबंधकों ने सिर्फ अति गंभीर मरीज को भर्ती करने का नियम बनाया। किसी भी व्यक्ति को रसूख के कारण बेड या वेंटिलेटर देने जैसी बातों की सख्त मॉनिटरिंग हुई। उनका कहना है कि 99 फीसदी मरीज हल्के लक्षण वाले होते हैं, चिकित्सा संसाधन मात्र एक फीसद अति गंभीर लोगों के लिए बचाकर रखने चाहिए।

4. बचाव नियमों का पालन : सरकार ने कोविड प्रोटोकॉल का बेहद सख्ती से पालन कराने के लिए मास्क न लगाने पर भारी जुर्माना लगा दिया गया। खुली जगहों पर भी छह से अधिक लोगों को एक साथ खड़े होने पर पाबंदी लगा दी गई जिसमें बच्चे भी शामिल किए गए। बार-रेस्टोरेंट आदि को पूरी तरह टेकअवे मोड में कर दिया गया। साथ ही, एक बार पॉजिटिव रिपोर्ट आने पर दोबारा रिपोर्ट कराने वालों लोगों पर सख्त पाबंदी लगायी ताकि संसाधन बर्बाद न हों।

5. जांचों पर ध्यान : कोरोना संक्रमण का नया संस्करण या वेरिएंट मिलने के बाद कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग, कोविड-19 की जांचें और जीनोम सीक्वेंसिंग के काम में तेजी लायी गई ताकि जितना तेजी से संक्रमण फैल रहा है, उसे उतनी तेजी से नियंत्रित किया जा सके। आवर वर्ल्ड इन डाटा के मुताबिक, ब्रिटेन में हर एक हजार आबादी पर 15.96 जांचें की जा रही हैं जबकि भारत में मात्र 1.14 जांचें हो रही हैं।

100 % Wheat
100 % Wheat
KAANT FOODS®
Manufacturer of Khakhra & Dry Bhakri in Various Flavor
Khakhra & Dry Bhakri is a thin cracker common in the Gujarati and Rajasthani cuisines of western India, especially among Jains. It is made from mat bean, wheat flour and oil. It is served usually during breakfast. Khakhras are individually hand-made and roasted to provide a crunchy and healthy snack that can be enjoyed with a selection of spicy pickles and sweet chutneys.
20, 1st Floor, Sarvodaya Soceity, Opp. Hotel Oasis, Nr. Umiya Dham Temple, Surat-395006. Gujarat, India.
Email : kaantfoods@gmail.com Mob : 9825770072
Web : www.kaantfoods.com

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।